वर्ष : 17 ❖ अंक : 172 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 28 जनवरी 2023

समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक शुद्धि यंत्र है : पीएम मोदी 3

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में हारी टीम इंडिया 8

महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : राज्यपाल

- राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल ने फहराया तिरंगा
- शानदार मार्च पास्ट ने जीता लोगों का दिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । समूचे देश के साथ-साथ हिमालयी राज्य सिक्किम में भी गुरुवार को 74वां गणतंत्र दिवस समारोह पूरे जोश और देशभक्ति के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर राजधानी गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में आयोजित केंद्रीय समारोह में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) उपस्थित थे। उनके अलावा इसमें कैबिनेट मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा, सोनम लामा, सांसद इंद्रहांग सुब्बा, राज्य के मुख्य सचिव वीबी पाठक, पुलिस महानिदेशक एके सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, सेना, अर्धसैनिक बलों एवं राज्य प्रशासन के अधिकारीगण और आम लोगों ने भी शिरकत की।

राज्य स्तरीय इस समारोह में पुलिस एवं सशस्त्र बलों की शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया। इसका नेतृत्व परेड कमांडर के तौर पुलिस उपाधीक्षक सुधा बस्नेत और परेड सेकेंड इन कमांड के तौर पर पुलिस इंस्पेक्टर अंकिता प्रधान ने किया गया। इस परेड में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मिजोरम सशस्त्र पुलिस, सिक्किम सशस्त्र पुलिस (एसएपी), द्वितीय और तृतीय आईआरबीएन के दल शामिल थे। सिक्किम पुलिस का प्रतिनिधित्व पुरुष एवं महिला दलों, स्टेट होमगार्ड्स, एनसीसी और सिक्किम पुलिस पाइप और ब्रास बैंड द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस लोकतांत्रिक राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करने हेतु सर्वस्व बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास और लोगों की सामूहिक स्मृति में 1950 में भारत के संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है। वहीं उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न पहलों एवं कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया गया है। ऐसे में उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कृषि विभाग के समन्वय से देश को बाजरा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य को पूरा करने हेतु जैविक बाजरा के बड़े प्रचार और मांग उत्पादन के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम करने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा महिला कल्याण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राज्यपाल ने कहा कि मौजूदा सरकार ने सभी कामकाजी महिला सरकारी कर्मचारियों के मातृत्व अवकाश को छह महीने से बढ़ाकर एक वर्ष करने और पितृत्व अवकाश को 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन करने के साथ कई नीतियां शुरू की हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 'वात्सल्य' योजना भी शुरू की है, जिसमें आईवीएफ उपचार हेतु 3 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके साथ ही राज्यपाल ने कृषि, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार के असामान्य प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार राजस्व और रोजगार के अवसर पैदा करने हेतु इस साल राज्य में 700 एकड़ में जैविक केसर की खेती करेगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में प्रगति की गति बनाए रखने में समाज के सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

समारोह में विभिन्न विभागों में उल्लेखनीय कर्तव्य पालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों की घोषणा भी की गयी। इसकी शुरुआत नामची जिला कारागार के सहायक उप जेलर लाल बहादुर थापा के साथ हुई। उनके अलावा, राज्य सरकार के कई कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए सिक्किम राज्य मेधावी सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, समारोह में राज्य सरकार की ओर से हाल ही में सारेगामापा लिटिल चैंप्स सीजन-9 का खिताब जीतकर पूरे राज्य को गौरवान्वित करने वाली जेत्शन लामा को भी सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कारस्वरूप 10 लाख रुपए का चेक भेंट किया गया। वहीं राज्यपाल ने सशस्त्र सेना वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और वीर नारियों को भी सम्मानित किया।

वहीं इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर पद्मश्री पुरस्कारों में सिक्किम के 98 वर्षीय किसान तुलाराम उप्रेती सहित अग्निशमन और पुलिस सेवा पदकों के लिए अन्य सूचीबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नामों की भी घोषणा की गई।

इसके बाद, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने राज्य वन विभाग की तीन कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा रचित तीन देशभक्ति गीतों का एक म्यूजिक एल्बम 'समर्पण' भी जारी किया गया। वहीं इस अवसर पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले दलों को ट्रॉफी प्रदान की गई। इसमें सिक्किम पुलिस महिला दल ने सर्वश्रेष्ठ दल की ट्रॉफी जीती। मिजोरम सशस्त्र पुलिस की अतिथि दल को भी प्रभावशाली परेड प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी प्रदान की गई।

समारोह में सारेगामापा लिटिल चैंप्स की विजेता जेत्शन लामा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले सिक्किम पर्यटन विकास निगम के हेलीकॉप्टर ने पालजोर स्टेडियम में पुष्प वर्षा की जो लोगों में आकर्षण का केंद्र रहा।

सिक्किम में खत्म होगी झंडे की पार्टी : गणेश राई

गणेश राई ने बनाई सिटिजन एक्शन पार्टी, राजनीतिक सुधार आयोग के गठन का किया वादा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । सिक्किम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक नई पार्टी सिटिजन एक्शन पार्टी (सीएपी) का गठन किया गया। यह पार्टी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के पूर्व नेता तथा सिक्किम रिफार्म कॉल के प्रमुख गणेश राई ने बनाई है। इस पार्टी का कोई झंडा नहीं होगा और यह पार्टी क्राउड फंडिंग पर चलेगी।

नामची जिले में गणेश राई ने गृहनगर मल्ली में 1000 लोगों की एक जनसभा में इस नई पार्टी के गठन की घोषणा की गई। गणेश राई को सीएपी का मुख्य समन्वयक बनाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में गणेश राई ने खुद को और अन्य एसडीएफ दलबदलुओं को एसडीएफ और सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पार्टी के राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश किया है।

इस अवसर पर गणेश राई ने कहा कि एसडीएफ और एसकेएम दोनों के तहत सिक्किम के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। हम सिक्किम और उसके लोगों के लिए विकल्प हैं। राजनीतिक दल के झंडे हमारे गांवों में फूट और दुश्मनी का मूल कारण हैं। यह देखकर लोगों पर हमला किया जाता है और उन्हें पीड़ित किया जाता है कि उनके घरों में किस पार्टी का झंडा है। हमारी पार्टी के पास झंडे नहीं होंगे क्योंकि हम सिक्किम में हमेशा के लिए झंडे की राजनीति को खत्म करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सीएपी वर्तमान में एकमात्र सक्रिय क्षेत्रीय राजनीतिक दल है जिसके नाम में 'सिक्किम' नहीं है। उन्होंने कहा कि सिक्किम हमारे खून और डीएनए में है। राजनीतिक दल के नाम को लोगों को संदेश देना चाहिए, इसका एक अर्थ होना चाहिए। सिक्किम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमने अपनी पार्टी का नाम सिटीजन एक्शन पार्टी रखा है। हमारी पार्टी में कोई राजनीतिक नारेबाजी नहीं होगी, हम अपने युवाओं को केवल नारेबाजी करते या पार्टी के झंडे लेकर नहीं देखना चाहते।

गणेश राई ने सीएपी के सत्ता में आने पर सिक्किम में एक राजनीतिक सुधार आयोग का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि आयोग एक शक्तिशाली स्वतंत्र निकाय होगा जिसके अध्यक्ष और सदस्यों का चयन विपक्षी दलों के परामर्श से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि राजनीतिक दलों को अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए धन की आवश्यकता होती है लेकिन सिक्किम में विपक्षी दलों के लिए धन प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। हमारी सरकार सरकारी कार्यों में उपकर लगाएगी और वह पैसा आयोग के पास जाएगा। आयोग तब राजनीतिक दलों को धन आवंटित करेगा ताकि वे अपनी गतिविधियों को बनाए रख सकें। हम यह कानून बनाएंगे और ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बनेंगे।

उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई करने के लिए आयोग के पास न्यायपालिका की शक्तियां भी होंगी। हम सत्ताधारी दल द्वारा लोगों की क्रूरता और दमन को समाप्त करना चाहते हैं। सीएपी का शुभारंभ राई के नेतृत्व में रिफॉर्म कॉल ग्रुप द्वारा शुरू की गई सिक्किम सुधर संकल्प यात्रा के समापन के साथ हुई।

नेपाली समुदाय पर 'आप्रवासी' के टैग के खिलाफ एक साथ आए भाईचुंग भूटिया व केबी राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । ओल्ड सेटलर्स और राज्य के बाहर शादी करने वाली महिलाओं के लिए कर छूट पर इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला खबरों में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सिक्किमी नेपाली समुदाय पर आप्रवासी का टैग लगने के बाद हाम्रो सिक्किम पार्टी के अध्यक्ष भाईचुंग भूटिया की ओर से इसे लेकर फरवरी माह में 'सिक्किम एकता रैली' नामक एक रैली निकाली जाएगी।

ज्ञात हो कि भाईचुंग भूटिया जो एचएसपी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, सिक्किम में भूटिया समुदाय का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। एचएसपी के एजेंडे में सिक्किम विधानसभा में 'नेपाली सीट' की बहाली शामिल है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि कैसे हाल के पंचायत चुनाव में भूटिया-लेप्चा आरक्षण में कटौती की गई।

भाईचुंग भूटिया और सिक्किम रिपब्लिकन पार्टी के अध्यक्ष केबी राई ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सिक्किमी नेपाली समुदाय पर 'आप्रवासी' टैग की निंदा की। एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भाईचुंग ने सवाल किया कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सिक्किमी नेपाली समुदाय पर अप्रवासी टैग के खिलाफ अपील क्यों नहीं की है? उन्होंने कहा कि इस लाइन को हटाने के लिए राज्य सरकार के महाधिवक्ता अपील कर सकते हैं। शायद महाधिवक्ता मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद ही कोई स्टैंड लेते हैं। इस मुद्दे को उठाना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर फैसला आ जाता है तो भी वे अपील कर सकते हैं। यह एक क्षणिक टिप्पणी हो सकती है जो दी गई है, हम यह नहीं कह रहे हैं कि फैसले को बदल दें, लेकिन इस्तेमाल किए गए शब्द और टैग को बदल दें और आपत्ति करें। यह नेपाली समुदाय पर गलत टैग लगाया जा रहा है।

सिक्किम रिपब्लिकन पार्टी के अध्यक्ष केबी राई ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में 'आप्रवासी' टैग का एक से अधिक बार उल्लेख किया गया है, अतीत में इसी तरह के एक मामले का उदाहरण लेते हुए उन्होंने कहा कि मानव शास्त्रीय अनुसंधान और इतिहास को एक राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता है कि सिक्किम के नेपाली किस पहचान को धारण करते हैं। अप्रवासी का सीधा सा मतलब है कि मूल रूप से यहां के नहीं...मूल निवासी भूटिया और लेप्चा हैं और जो नेपाल से आए हैं, हमारा इतिहास कहता है। कुछ वर्षों के लिए हम राज्य के विशेषाधिकारों और अधिकारों का उपयोग कर (शेष पृष्ठ ०३ पर)

जैविक खेती में उल्लेखनीय योगदान के लिए किसान पद्मश्री तुलाराम सम्मानित

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 27 जनवरी । 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज पाकिम जिला प्रशासनिक केंद्र में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 21-गनाथांग माचोंग के विधायक डीटी लेप्चा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत में पाकिम डीसी ताशी छोफेल ने गणतंत्र दिवस पर माननीय राज्यपाल के भाषण को प्रसारित किया, जिसमें राज्य की उपलब्धियों और सामाजिक-आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया।

वहीं, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अनूपा तामलिंग ने मुख्यमंत्री के भाषण में दिये गये सामाजिक-आर्थिक, स्वास्थ्य और शैक्षिक आयामों में राज्य भर में उपलब्धियों को रेखांकित किया। इस दौरान राज्य में जैविक खेती में उल्लेखनीय योगदान के लिए पाकिम के किसान पद्मश्री तुलाराम उप्रेती एवं कई अन्य जिला स्तरीय कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि विधायक लेप्चा ने पाकिम को एक नए जिले के रूप में मान्यता देने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की और नागरिक समाज और अधिकारियों से जिले को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आग्रह किया। वहीं उन्होंने जिला निवासी जेत्शन लामा द्वारा राष्ट्रीय स्तर की सारेगामापा लिटिल चैम्प प्रतियोगिता जीतने को समूचे जिले के लोगों के लिए गर्व का क्षण बताया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों और अधिकारियों से समाज कल्याण तथा सकारात्मक प्रगति हेतु काम करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में पाकिम जेएनवी के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

समारोह में रेनॉक विधायक बिष्णु खतिवाड़ा, जिलाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, एडीसी विकास, एडीसी, एसपी एवं एसडीएम के अलावा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के सदस्य, स्कूली शिक्षक एवं आमलोग भी उपस्थित थे।

एफडीपीएल निदेशक मंडल ने सीएम से की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने फुटबॉल विकास प्रा.लि. के निदेशक मंडल (एफडीपीएल) / सिक्किम प्रीमियर लीग (एसपीएल) के प्रमोटरों ने आज मिंतोकगांग में अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की।

इस अवसर पर उन्होंने लीग के प्रचार के लिए राज्य के प्रसिद्ध फुटबॉलरों द्वारा की गई उत्कृष्ट पहल की सराहना की, जिसे सिक्किम सरकार और सिक्किम ऊर्जा लिमिटेड का समर्थन प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने उन्हें इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई यह प्रयास राज्य में महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा। उन्होंने सभी से इस अच्छी पहल का समर्थन करने का अनुरोध भी किया।

रंगीत पावर स्टेशन में 74वां गणतंत्र दिवस का आयोजन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । रंगीत नगर, दक्षिण सिक्किम, एनएचपीसी लिमिटेड के रंगीत पावर स्टेशन में गणतन्त्र दिवस का आयोजन किया गया। समूह महाप्रबंधक महोदय सुधीर कुमार यादव ने डीएवी स्कूल के प्रांगण में ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के पश्चात आईआरबीएन एवं डीएवी स्कूल के एनसीसी के कैडेट्स के द्वारा आयोजित परेड का निरीक्षण समूह महाप्रबंधक महोदय के द्वारा किया गया। समूह महाप्रबंधक महोदय ने उपस्थित लोगों को गणतन्त्र दिवस की बधाई दी एवं रंगीत पावर स्टेशन की तरफ से विद्युत निर्माण एवं अन्यगतिविधियों के साथ सामाजिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रंगीत पावर स्टेशन की तरफ से सीएसआर व एसडी के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी उन्होंने उपस्थित लोगों को दी। इसके बाद डीएवी स्कूल के छात्र और छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। अन्त में समूह महाप्रबंधक महोदय ने सहभागी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर समूह महाप्रबंधक महोदय ने कांट्रैक्ट पर कार्यरत लोगों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत कर उनका भी उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य, डीएवी स्कूल के प्राचार्य, स्टाफ तथा उनके परिवार के सदस्य,आईआरबी के अधिकारी एवं जवान और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सफलता के लिए बच्चों में हो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अतिरिक्त दबाव घातक : योगी

लखनऊ, 27 जनवरी (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री ने कहा है कि परीक्षा में अच्छे नंबर पाना अच्छी बात है, लेकिन किसी बच्चे को इसके लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। क्योंकि जिसकी जितनी शारीरिक व बौद्धिक क्षमता होगी, वह उतना परिणाम देगा। अच्छे नंबर के लिए बच्चों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो न कि उन पर दबाव बनाया जाए, यह घातक है। क्योंकि अभिभावकों, स्कूलों, प्रबंधकों के दबाव में बच्चे तनाव में आ जाते हैं। तनाव में आकर वे हतोत्साहित हो जाते हैं और परीक्षा में अपना सामान्य प्रदर्शन भी नहीं कर पाते हैं।

सीएम शुक्रवार को सरोजनीनगर स्थित सैनिक स्कूल में पीएम मोदी के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि पीएम ने तनावमुक्त परीक्षा के लिए एग्जाम वॅरियर्स किताब लिखी और वे विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं। विद्यार्थियों को परीक्षाओं को एक रूटीन वर्क के रूप में लेना चाहिए। वे तनाव मुक्त वातावरण में परीक्षा देने के लिए तैयार हों। सीएम ने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों की बेहतरी के लिए ऑपरेशन कायाकल्प की सराहना की।

उन्होंने कहा है कि 2017 के पहले विद्यालयों में बच्चे नंगे पैर, बिना शर्ट के आने को मजबूर थे। आज वे ड्रेस में, बैग में कॉपी-किताब लेकर स्कूल आते हैं। विद्यालयों में बदलाव का ही असर है कि आज से छह साल पहले जो स्कूल बंद होने जा रहा था, उसमें 300 बच्चे पढ़ रहे हैं। तब स्कूलों में बच्चे नहीं थे और अब बीते पौने छह साल में 60 लाख से ज्यादा नए बच्चों ने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में दाखिला लिया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह उपस्थित थे।

इस अवसर पर सीएम ने हाईस्कूल व इंटर के मेधावियों को 2021.22 में हाईस्कूल व इंटर की बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को 01 लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और एग्जाम वॉरियर्स किताब देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आज जिन 1698 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। इनमें से 825 बालक और 873 बालिकाएं हैं। विभिन्न परीक्षाओं के हालिया परिणाम बालिकाओं की रचनात्मकता और कुछ कर गुजरने की भावना है। अभिभावक बालिकाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाने के लिए उतना ध्यान नहीं देते हैं। हम प्रयास करते हैं कि उनके साथ भेदभाव

न हो। उनकी स्नातक तक कि शिक्षा नि:शुल्क है तो बालिका के जन्म से आत्मनिर्भर होने तक के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने निपुण भारत मिशन के तहत विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र मध्याह्न भोजन प्राधिकरण कार्यालय में स्थापित किया गया है। यह 60 सीटर कॉल सेंटर है, जिसमें 18 स्क्रीन लगाई गई है। इसके माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए डैश बोर्ड दिखाया जा रहा है। हर तीन महीने में सभी छात्रों का सरल एप के माध्यम से निपुण असेसमेंट टेस्ट आयोजित किया जाएगा। निपुण असेसमेंट टेस्ट से मिले डेटा का एनालिसिस कर सभी छात्रों व अभिभावकों को रिपोर्ट कार्ड भेजा जाएगा। केंद्र में छात्र चैट बॉट व शिक्षक चैटबॉट के डाटा का भी विश्लेषण किया जाएगा।

कैख्नटन मनोज पांडेय यूपी सैनिक स्कूल की चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि यह देश का पहला सैनिक स्कूल है। इसे 1960 में तत्कालीन सीएम डॉ. संपूर्णानंद जी ने स्थापित किया था। यहां बालिकाओं को भी प्रवेश मिलता है। इसकी स्थापना के बाद देश में सैनिक स्कूलों की शृंखला बननी शुरू हुई। यूपी में पांच सैनिक स्कूल अगले साल तक शुरू हो जाएंगे।

सैनिक स्कूल टेबलेट वितरण व मेधावी सम्मान कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सीएमएस स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि जब जगदीश गांधी जैसे संस्थापक होंगे तो बच्चों पर पढ़ाई का दबाव तो बढ़ेगा ही जिससे वो अवसाद में चले जाते हैं। तनाव में कभी भी पढ़ाई नहीं करनी चाहिए।

गुजरात से बेहतरीन गोमती रिवर फ्रंट, बीजेपी ने किया बर्बाद : अखिलेश

लखनऊ, 27 जनवरी (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ स्थित गोमती रिवर फ्रन्ट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि गोमती रिवर फ्रन्ट गुजरात के साबरमती नदी पर बनाए गए रिवर फ्रन्ट की तुलना में बेहतर बना था इसी से चिढ़कर भाजपा सरकार ने इसे बर्बाद कर दिया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने गोमती रिवर फ्रन्ट बर्बाद कर दिया। समाजवादी सरकार में गोमती नदी पर विश्वस्तरीय रिवर फ्रन्ट बनाया गया था। नदियों को साफ रखने का यही तरीका था, जिस तरह से समाजवादी सरकार ने शुरू किया था।

कहा कि गोमती रिवर फ्रन्ट पर नदी में लगाई गयी लाइटें बंद हो गयीं। अब यहां हरियाली के बजाए सूखे पौधे हैं। रंग बिरंगे फूलों का आकर्षण खत्म हो गया है। हालांकि समाजवादी सरकार में लगाए गए बच्चों के झूले अभी मजबूत और सुरक्षित हैं। जबकि यहां न कोई देखरेख है और न ही रखरखाव है। अब यहां पुरानी रंगीन ऑश्यावली के केवल अवशेष जिंदा है। भाजपा सरकार की उपेक्षा से खूबसूरत, सुन्दर रिवर फ्रन्ट अब खंडहर होता जा रहा है। किसी तरह योग केंद्र और औषधि पार्क दुर्दशा के बाद भी जीवित है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने यूपी की जनता से खुशियों के ये फव्वारे और फव्वारों के संग संगत करता संगीत छीनकर क्या पाया? समाजवादी सरकार के विकासशील कार्यों का विरोध करते भाजपा जनता की खुशियों की भी विरोधी हो गई है। समाजवादी सरकार में गोमती रिवर फ्रन्ट पर भारत का जो सबसे बड़ा फाउन्टेन लगाना था, भाजपा राज में फव्वारा कंटेनर में है, वह बंद पड़ा है। इसकी जांच होनी चाहिए।

अखिलेश यादव के रिवर फ्रन्ट पहुंचने पर वहां स्टेडियम में क्रिकेट खेल रहे बच्चे उत्साहित हो गये। अखिलेश ने भी वहां बैट पकड़ लिया और उनके खेल में शामिल हो गए। गोमती नदी के तट पर इतना विस्तृत खेल का मैदान कहीं और नहीं है।

गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार शामिल हुई बीएसएफ की महिला ऊंटसवार टुकड़ी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर इस साल एक अनोखा नजारा दिखा जब पहली बार इतिहास में गणतंत्र दिवस की परेड में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के ऊंट सवारों की टुकड़ी में महिलाएं नजर आईं।

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस की परेड में गुरुवार को बीएसएफ की ऊंट सवार टुकड़ी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। दरअसल पहली बार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ऊंट सवार टुकड़ी में बल की महिला कर्मियों ने पुरुष जवानों के साथ भाग लिया। राजस्थान में प्रशिक्षित हुई और राजसी पोशाक पहने ये महिला टुकड़ी परेड में सभी का ध्यान आकर्षित कर रही थी।

बीएसएफ ने बताया कि प्रख्यात डिजाइनर राघवेंद्र राठौड़ ने इन महिला ऊंटसवारों की पोशाक तैयार की थी, जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों की लोक संस्कृति की झलक दिखाई दी। बता दें कि इसी महिला टुकड़ी को राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सीमा पर भी तैनात रहकर देश के दुश्मनों से लोहा लेने का जिम्मा सौंपा गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के पूर्व महानिदेशक पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर 15-20 महिलाकर्मियों को ऊंटसवार टुकड़ी में शामिल होने का प्रशिक्षण दिया गया था। देश में महिला जवानों का पहला ऊंट जत्था राजस्थान के खाजूवाला में 25 सितंबर को लॉन्च किया गया था। यही जत्था पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुआ है।

चीन से लगी सीमा पर भारत ने 65 में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर खोया अधिकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। चीन से लगती सीमा पर पेट्रोलिंग पॉइंट्स को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरा है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा, भारत ने अब 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर अपना अधिकार खो दिया है। मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। गलवां में मई 2020 के दौरान ही भारत के 20 बहादुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। पीएलए द्वारा सबसे ऊंची चोटियों पर अपने बेहतरीन कैमरों की मदद से भारतीय सेना पर नजर रखी जा रही है।

पवन खेड़ा ने अपने बयान में कहा, मोदी सरकार की चीन को क्लीन चिट देश के हिस्से की 'सलामी स्लाइसिंग' करवाती है। चीन को पीएम मोदी की 'बेदाग क्लीन चिट' के झूठ का पर्दाफाश 'पुलिस मीट सिक्योरिटी रिसर्च पेपर' की कड़वी सच्चाई ने कर दिया है। बतौर कांग्रेस नेता, मोदी सरकार द्वारा चीन के अवैध कब्जे और सैन्य निर्माण से लगातार इनकार ने चीन का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व भूभागीय अखंडता से समझौता करने का आरोप लगाया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में पीएम मोदी, गृह मंत्री, अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भाग लिया था। बतौर खेड़ा, चर्चा के लिए प्रस्तुत एक विस्तृत सिक्योरिटी रिसर्च पेपर में भारत के क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे के प्रति मोदी सरकार की स्तब्ध कर देने वाली उदासीनता के बारे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

भारत ने अब 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) में 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर अपना अधिकार खो दिया है। मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। पेपर में कहा गया है, वर्तमान में, काराकोरम दर्रे से लेकर चुमार तक 65 पीपी हैं, जिन्हें आईएसएफ (भारतीय सुरक्षा बल) द्वारा नियमित रूप से गश्त किया जाता है। 65 पीपी में से, 26 पीपी (यानी पीपी नंबर 5-17, 24-32, 37, 51,52,62) में हमारी उपस्थिति प्रतिबंधात्मक या आईएसएफ (भारतीय सुरक्षा बलों) द्वारा गश्त नहीं करने के कारण खो गई हैं। बाद में चीन, भारत को यह तथ्य स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से आईएसएफ या नागरिकों की उपस्थिति नहीं देखी गई है। जबकि उन क्षेत्रों में चीनी मौजूद थे। इससे भारतीय सीमा की ओर आईएसएफ के नियंत्रण वाले सीमा क्षेत्र में बदलाव होता है। ऐसे सभी पॉकेट को बफर जोन बना दिया जाता है, जिससे भारत इन क्षेत्रों पर नियंत्रण खो देता है। इंच दर इंच जमीन हड़पने की पीएलए की इस चाल को 'सलामी स्लाइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

पीएलए ने सबसे ऊंची चोटियों पर अपने बेहतरीन कैमरे लगाकर बफर क्षेत्रों का लाभ उठाया है। चीन की सेना, भारतीय बलों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। ये डीस्केलेशन वार्ता का उल्लंघन है। यही अजीबोगरीब स्थिति चुशुल में ब्लैक टॉप, हेलमेट टॉप पहाड़ों, डेमचोक, काकजंग, हॉट स्प्रिंग्स में गोगरा हिल्स और चिप चाप नदी के पास देपसांग मैदानों में देखी जा सकती है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि सितंबर 2021 तक, जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी डीबीओ सेक्टर में काराकोरम दर्रे (दौलत बेग ओल्डी से 35 किमी) तक आसानी से गश्त कर रहे थे।, हालांकि, दिसंबर 2021 में भारतीय सेना द्वारा डीबीओ पर चेक पोस्ट के रूप में स्वत: प्रतिबंध लगाए गये थे, जिससे काराकोरम पास तक जाने की रोक लग जाए।

पवन खेड़ा ने कहा, रिपोर्ट में लिखा है कि बिना फेंस वाली सीमाएं चांगथांग क्षेत्र (रेबोस) के खानाबदोश समुदाय के लिए चरागाह के रूप में काम कर रही हैं। समृद्ध चरागाहों की कमी को देखते हुए, वे परंपरागत रूप से पीपी के करीब के क्षेत्रों में उद्यम करते हैं। पेपर में स्पष्ट तौर पर लिखा है कि '2014 के बाद से, आईएसएफ द्वारा रेबोस पर चराई प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय सैनिकों को विशेष रूप से पीएलए द्वारा आपत्ति की जा सकने वाली उच्च पहुंच पर रेबोस की आवाजाही को रोकने के लिए भेस बदलकर तैनात किया जाता है। इसी तरह डेमचोक, कोयल जैसे सीमावर्ती गांवों में विकास कार्य, पीएलए की प्रत्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक निगरानी में हैं। वहां पर पीएलए द्वारा तुरंत आपत्ति जताई जा सकती है।

सैन्य स्तर की 17 राउंड की बातचीत के बाद, मोदी सरकार ने तीन साल बाद फिर से यथास्थिति सुनिश्चित क्यों नहीं की। इस तथ्य को देखते हुए कि एक 'डीजीपी स्तर' की कांफ्रेंस में पेश किए गए पेपर ने इस अति संवेदनशील मुद्दे को उजागर किया है, तो ऐसे में क्या मोदी सरकार देश को बताएगी कि उसने भारत के अधिकारिक भूभागों को चीन के हवाले क्यों कर दिया है।

मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने की कांग्रेस पार्टी की मांग पर ध्यान नहीं दिया। क्या मोदी सरकार देश को अंधेरे में रखेगी या देश को चीन के अवैध कब्जे की सच्चाई बताएगी। कांग्रेस पार्टी, संसद के आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करती है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता दांव पर है और इसे बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर हर संभव प्रयास करना चाहिए।

भारत ने 17 पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी-वाघा बॉर्डर से वापस भेजा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से 17 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया, जो भारत की जेल में कैद थे।

बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने इस महीने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे समझौते के अनुरूप अपनी हिरासत में असैन्य कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया था।

पाकिस्तान उच्चायोग ने एक ट्वीट करते हुए बताया कि पाकिस्तान के विदेश विभाग और भारतीय पक्ष के साथ घनिष्ठ समन्वय में, 17 पाकिस्तानी नागरिक जो भारत में कारावास के अधीन थे, उन्हें आज अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से वापस लाया गया। पाक उच्चायोग ने आगे कहा कि सजा पूरी कर चुके पाकिस्तानी कैदियों की शीघ्र वापसी के लिए हम अपने प्रयास जारी रखेंगे।

गौरतलब है कि 1 जनवरी को विदेश मंत्रालय ने बताया था कि भारत ने वर्तमान में भारतीय हिरासत में 339 पाकिस्तानी नागरिक कैदियों और 95 पाकिस्तानी मछुआरों की सूची साझा की है। इसी तरह पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में 51 नागरिक कैदियों और 654 मछुआरों की सूची साझा की है, जो भारतीय हैं या भारतीय माने जाते हैं।

सिसोदिया ने अस्थाई, गेस्ट शिक्षकों को स्थायी करने की मांग की

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर स्थाई भर्ती में अस्थाई, गेस्ट शिक्षकों को समाहित करने की मांग की। वीसी को लिखे पत्र में सिसोदिया ने कहा, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों के लिए चल रहे साक्षात्कार बेकार रहे हैं। कॉलेजों के कॉर्पोरेट जीवन में योगदान और अनुभवी शिक्षकों की कमी से कॉलेजों में शिक्षण और सीखने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'हमारा मानना है कि स्थायी भर्ती में अस्थाई शिक्षकों को समाहित किया जाना चाहिए। इनमें से कई शिक्षक दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में पढ़ा रहे हैं।

वे दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थान की चुनौतियों को समझते हैं और जानते हैं कि विविध भाषाई पृष्ठभूमि और अकादमिक अनुभव वाले देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले छात्रों से कैसे निपटा जाए।'

सिसोदिया ने कहा कि कक्षा में पढ़ाने के अनुभव की जगह नहीं ली जा सकती इसलिए इन शिक्षकों को दिल्ली विश्वविद्यालय में जारी रखना जरूरी है।

पत्र में लिखा गया है कि, अध्यादेश 18-4(ए) शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति शासी निकाय द्वारा किए जाने का प्रावधान करता है। हमारे 28 कॉलेजों में, हम स्थाई और अस्थाई शिक्षकों के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। सिसोदिया ने कहा, हम आपसे इन कॉलेजों में अस्थायी शिक्षकों को स्थायी करने का अनुरोध करते हैं।

मिस्त्र के राष्ट्रपति ने भारत की जी20 अध्यक्षता में जताया भरोसा, कहा- लक्ष्य हासिल करने में होंगे सफल

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। भारत के 74वें गणतंत्र दिवस परेड में मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वह मिस्त्र के पहले राष्ट्रपति थे जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित किया गया था। अब्देल फतह 24-27 जनवरी तक अपनी भारत यात्रा पर आए हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने भारत पर भरोसा जताया है और कहा कि नई दिल्ली की अध्यक्षता में जी20 अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होगा।

गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि अब्देल फतह अल-सिसी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा की और दोनों देशों ने भारत की अध्यक्षता के दौरान एक साथ काम करने का फैसला किया और दोहराया कि ग्लोबल साउथ के हितों और प्राथमिकताओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए और दोनों देश जी20 सहित प्रमुख वैश्विक मंचों पर ध्यान केंद्रित करें।

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान, मिस्त्र की सेना की एक सैन्य टुकड़ी ने पहली बार कर्तव्य पथ पर सलामी मंच की ओर मार्च किया। कर्नल महमूद मोहम्मद अब्देल फत्ताह अल खारसावी के नेतृत्व में मिस्त्र की सैन्य टुकड़ी ने मिस्त्र के सशस्त्र बलों के मुख्य रेजिमेंटों का प्रतिनिधित्व किया। टुकड़ी में 144 सैनिक शामिल थे।

वहीं मिस्त्र की सेना ने भारत की गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेना सम्मान और सौभाग्य की बात कहा। साथ ही मिस्त्र की टुकड़ी ने मानवता के लिए ज्ञात सबसे पुरानी नियमित सेनाओं में से एक की विरासत को आगे बढ़ाया। परेड के बाद, राष्ट्रपति सिसी ने राष्ट्रपति भवन में 'एट होम' रिसेप्शन में भाग लिया, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की थी।

एट होम रिसेप्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। रिसेप्शन के बाद अल-सिसी ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

स्वामी के बयान के पीछे अखिलेश का हाथ : केशव प्रसाद

झांसी, 27 जनवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरित मानस पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा और कहा कि ऐसे बयान के पीछे अखिलेश यादव का ही हाथ है।

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य झांसी में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सपा प्रमुख पर हमला बोला है। कहा कि ऐसे बयान के पीछे अखिलेश यादव का ही हाथ है। अखिलेश सोचते हैं कि वो दोनों हाथ में लड्डू लिए हैं। मगर वो नहीं जानते कि ये लड्डू नहीं अंगारा है।

मुलायम सिंह यादव को पद्मभूषण सम्मान दिए जाने पर केशव ने कहा कि पहले की सरकारों में परिवार और जाति के महापुरुषों को सम्मान दिया जाता था, अब ऐसा नहीं है। जो अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं भगवान उनको सद्बुद्धि दें।

मौर्य एक सवाल के जवाब में बोले कि, अखिलेश दिन भर केशव चालीसा पढ़ते रहते हैं। बागेश्वर धाम सरकार के दरबार में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा धर्म परिवर्तन करने पर बोले कि स्वेच्छा से और डरा, धमकाकर, प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करने में अंतर है। दरबार के आधार पर कोई कार्यक्रम हो रहा है, उसका स्वागत करना चाहिए।

सोसायटीज स्कल रेड फेस्ट VII बनी मल्टी मीडिया कैंपेन की विजेता

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । सोसायटीज स्कल रेड फेस्ट VII मल्टी मीडिया कैंपेन 2022-2023 की विजेता बनी। इसके ग्रैंड फिनाले का आयोजन नर बहादुर भंडारी डिग्री कॉलेज के सभागार में 26 जनवरी को किया गया। अखंड और वंडर कॉल को क्रमश: फर्स्ट रनर अप और सेकेंड रनर अप घोषित किया गया। विजेता को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र के साथ एक लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार प्रथम व द्वितीय रनर अप को क्रमश: 50 हजार व 30 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। अभियान के निर्णायक सुमन कार्तिक , सुश्री छिरिंग लीज़म भूटिया और बिपेन गुरुंग थे ।

विजेता मार्च के महीने में सिक्किम में होने वाले उत्तर पूर्व क्षेत्रीय एमएमसी में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। यह अभियान सिक्किम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग सिक्किम सरकार का एक वार्षिक कार्यक्रम है और इसे रिकवरिंग यूजर नेटवर्क (आरयूएन) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। अभियान एचआईवी/एड्स और मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में जागरुकता पैदा करने और संगीत और अन्य गतिविधियों के माध्यम से जोखिम भरे व्यवहार से बचने के लिए संदेश फैलाने पर केंद्रित है । अभियान नाको के मार्गदर्शन और दिशानिर्देशों के तहत वर्ष 2010 में शुरू किया गया था।

जीएमसी की डिप्टी मेयर श्रीमती छिरिंग पाल्देन भूटिया भूटिया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सम्मानित अतिथि डॉ केबी गुरुंग, चिकित्सा अधीक्षक न्यू एसटीएनएम अस्पताल गंगटोक थे । सुश्री चुंगकीला लेप्चा भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। पार्षद चांदमारी छिरिंग लेप्चा, मुख्यमंत्री के एपीएस डॉ सुरेश रसाइली और डॉ सीएम शर्मा, न्यू एसटीएनएम अस्पताल के एएमएस ने भी कार्यक्र में हिस्सा लिया। ऑडिशन राउंड के लिए कुल 19 बैंड्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था जिसमें से 7 बैंड्स को ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया था।

राजभवन में पीएम के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम राज्यपाल व छात्रों ने देखा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चर्चित संवादात्मक कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के छठे अंक को आज ताल कटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

इसी कड़ी में सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज राजभवन में सिक्किम के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षकों के साथ इस कार्यक्रम को देखा। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सम्पूर्ण भारत में दूरदर्शन एवं अन्य चैनल पर किया गया।

'परीक्षा पे चर्चा' प्रधानमंत्री का संवादात्मक कार्यक्रम है जिसका मूल उद्देश्य बच्चों में परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास जगाने तथा हंसते-खेलते तनाव रहित उत्सव के रूप में परीक्षा की बेस्ट तैयारी करने का गुरुमंत्र शामिल है। इस दौरान राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के अनमोल वचनों को सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए आत्मसात करने का आह्वान किया तथा साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान पुस्तक भेंट की।

नेपाली समुदाय पर .....

सकते हैं, लेकिन भविष्य की पीढ़ियों के लिए नहीं।

राई और एसआरपी ने लंबे समय तक नेपाली सीट की बहाली की मांग के लिए आवाज उठाई और उन्होंने बहाली को आगे बढ़ाने के लिए भाईचुंग के एचएसपी के साथ साझेदारी की। केबी राई ने कहा कि यही कारण है कि एचएसपी और एसआरपी ने हाथ मिला है। नेपाली सीट बहाली को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के पास राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। सरकार इसे बदलने के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं जा सकती है लेकिन अप्रवासी टैग को हटाने और एक अधिसूचना लाने के लिए नृविज्ञान और इतिहास का उपयोग करती है।

समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक शुद्धि यंत्र है : पीएम मोदी

'छात्र मेरी परीक्षा ले रहे हैं और मुझे इसमें आनंद आता है'

राजेश अलख

नई दिल्ली, 27 जनवरी । प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को 'परीक्षा पे परीक्षा' पर चर्चा की शुरूआत करते हुए छात्रों से कहा कि शायद इतनी ठंड में पहली बार परीक्षा पर चर्चा हो रही है।

परीक्षा पे चर्चा फरवरी में करते हैं लेकिन विचार आया कि आप सबको 26 जनवरी का भी लाभ मिले। दरअसल इस कार्यक्रम में शामिल कई छात्र कर्तव्य पथ पर परेड देखने भी गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा मेरी भी परीक्षा है, देश के कोटि-कोटि विद्यार्थी मेरी परीक्षा ले रहे हैं और मुझे यह परीक्षा देने में आनंद आता है।

मदुरई केंद्रीय विद्यालय की छात्रा अश्विनी ने प्रधानमंत्री से परीक्षा के तनाव, दबाव और परीक्षा में अधिक अंक लाने के प्रेशर पर प्रश्न पूछा। इसी प्रकार अन्य छात्रों ने प्रधानमंत्री से पूछा कि यदि परीक्षा में उनके अच्छे अंक न आए तो वह अपने परिवार के प्रेशर को कैसे डील करें। प्रधानमंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि जैसे क्रिकेट में गुगली होता है यानी निशाना एक होता है और दिशा दूसरी होती है। प्रधानमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि आप पहली ही बॉल में मुझे आउट करना चाहती हो।

प्रधानमंत्री ने उत्तर देते हुए कहा कि परिवार के लोगों की आपसे अपेक्षा होना बहुत स्वाभाविक है और उसमें कुछ गलत भी नहीं है। हालांकि पीएम मोदी ने कहा कि यदि परिवार के लोग अपेक्षाएं सोशल स्टेटस के कारण कर रहे हैं तो यह चिंता का विषय है। अभिभावकों को कई बार लगता है कि जब सोसाइटी में जाएंगे तो बच्चों के बारे में क्या बताएंगे, कभी-कभी माता-पिता छात्रों की स्थिति को जानने के बावजूद भी अपने सोशल स्टेटस को ध्यान में रखते हुए बच्चों के बारे में समाज में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और फिर घर में आकर बच्चों से ऐसी ही अपेक्षा करते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों के ऊपर लगातार अच्छे, और अच्छे अंक लाने के लिए दबाव बनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि क्रिकेट का मैच देखते हुए आपने देखा होगा कि जब कोई खिलाड़ी खेलने के लिए आता है तो पूरा स्टेडियम चौका, छक्का चिल्लाता है। क्या खिलाड़ी दर्शकों की डिमांड के ऊपर चौके और छक्के लगाता है। नहीं वह वैसा नहीं करता। कोई कितना ही चिल्लाता रहे खिलाड़ी का ध्यान बॉल पर होता है और जैसी बॉल आती है वैसा ही खेलता है न कि दर्शकों के कहने पर। प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्र भी अपनी स्टडी पर फोकस करें किसी दबाव में न आएं।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को आत्मनिरीक्षण करने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि आप की क्षमता बहुत अधिक है और आप अपने आप का सही मूल्यांकन नहीं कर पा रहे। उन्होंने कहा मां-बाप को बच्चों पर पढ़ाई के लिए अधिक दबाव नहीं बनाना चाहिए लेकिन बच्चों को भी अपनी क्षमता से कम नहीं करना चाहिए।

हिमाचल की आरुषि ठाकुर ने प्रधानमंत्री से पूछा कि यह बात समझ नहीं आती कि परीक्षा के दौरान पढ़ाई कहां से शुरू करूं, मुझे अक्सर ऐसा लगता है कि मैंने जो कुछ भी पढ़ा था मैं वह सब भूल गई हूं। कई अन्य छात्रों ने भी प्रधानमंत्री से पढ़ाई एवं परीक्षा की तैयारी के लिए टाइम मैनेजमेंट को लेकर प्रश्न पूछे।

प्रधानमंत्री ने कहा केवल परीक्षा के लिए ही नहीं बल्कि जीवन में भी हमें टाइम मैनेजमेंट के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कहा कि अक्सर काम का ढेर इसलिए हो जाता है क्योंकि जो काम करना था वह हमने सही समय पर नहीं किया। प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि विश्लेषण करना चाहिए कि हमें किस विषय को कितनी देर और कब पढ़ना है। उन्होंने कहा कि हमें जो विषय पसंद हैं या आते हैं हम उन्हीं में ज्यादा समय देते हैं और उन्हीं में खोए रहते हैं। उन्होंने कहा कि फ्रेश माइंड के साथ सबसे पहले उस विषय को पढ़ने का प्रयास करें जिसमें आपको कठिनाई आती है।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि यदि आप घर में अपनी मां के कार्य करने की शैली को देखें तो उससे भी आप टाइम मैनेजमेंट को सीख सकते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि पढ़ाई के लिए समय को सही तरीके से डिसट्रीब्यूट कीजिए।

'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी से ऑनलाइन और स्मार्ट गेजेट्स को लेकर भी प्रश्न पूछे। छात्रों ने पूछा कि इस प्रकार के गैजेट और सोशल मीडिया के दौर में बिना भटके पढ़ाई पर कैसे ध्यान लगाएं। प्रधानमंत्री ने छात्रों को उत्तर देते हुए कहा कि पहले यह तय कीजिए कि आप ज्यादा स्मार्ट है या गैजेट। उन्होंने कहा कि गैजेट का सही उपयोग करना सीखें। प्रधानमंत्री ने छात्रों से पूछा कि आप ऑनलाइन रील्स देखते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भारत में लोग औसतन 6 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। रील्स देखने वाले एक बार इसे देखना शुरू करते हैं तो फिर काफी देर तक बाहर नहीं आते। उन्होंने कहा कि गैजेट्स हमें गुलाम बना देते हैं हमें उनका गुलाम नहीं बनना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें खुद से यह तय करना चाहिए कि हम इन गैजेट के गुलाम नहीं बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें गैजेट पर उतना ही समय बिताना चाहिए जितना कि उनका उपयोग है। प्रधानमंत्री ने फास्टिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि हम जैसे फास्टिंग करते हैं वैसे ही हमें हफ्ते में कुछ दिन या दिन में कुछ घंटे ऑनलाइन गैजेट को लेकर भी फास्टिंग करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों से पूछा कि क्या हम सप्ताह में 1 दिन डिजिटल फास्टिंग कर सकते हैं यानी कि 1 सप्ताह में 1 दिन डिजिटल ऑनलाइन साधनों की फास्टिंग की जाए।

प्रधानमंत्री ने परिवारों का जिक्र करते हुए कहा कि अब तो घर में ऐसा भी दृश्य को देखने को मिलता है कि सब एक साथ बैठे हैं और अपने अपने मोबाइलों में व्यस्त हैं। बात करने के लिए मां भी पिता को व्हाट्सऐप भेजती है। घर में भी एक हिस्सा ऐसा होना चाहिए जिसे हम कह सकें नो टेक्नोलॉजी जोन यानी कि वहां आना है तो कोई गजट नहीं लाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा देखिए इससे आपको आनंद मिलेगा, आप महसूस करेंगे कि आप गैजेट के गुलाम नहीं हैं और गुलामी खत्म होगी तो आपको आनंद की अनुभूति होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि आलोचना लोकतंत्र के लिए शुद्धि यंत्र है। प्रधानमंत्री ने आलोचना को लोकतंत्र की एक शर्त भी बताया। दरअसल 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान कुछ छात्रों ने प्रधानमंत्री से पूछा कि आलोचना को आप कैसे लेते हैं। विपक्ष आपकी निंदा करता है तो आप उसे कैसे लेते हैं। क्योंकि हमें समझ नहीं आता जब हमारी निंदा होती है तो हमें क्या करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि परीक्षा देने के बाद जब आप घर आते हैं और यदि पता लगता है कि आप का कोई जवाब सही नहीं है तो आप कहते हो कि यह प्रश्न आउट ऑफ सिलेबस था। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि इसी तरह से आपके द्वारा पूछा गया यह प्रश्न भी आउट ऑफ सिलेबस है। हालांकि अपना जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां तक मेरी स्थिति है मैं मानता हूं कि आलोचना समृद्ध लोकतंत्र की पूर्व शर्त है। उन्होंने कहा कि समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक शुद्धि यंत्र है।

लेकिन कभी-कभी यह होता है कि आलोचना करने वाला कौन है उस पर सारा मामला सेट हो जाता है। मान लीजिए आपके यहां कोई फैंसी ड्रेस कंपटीशन है। आपने कोई ड्रेस पहनी और आपका प्रिय दोस्त कहता है कि यह ड्रेस अच्छी नहीं लग रही। तो आपका एक रिएक्शन होगा, लेकिन कोई ऐसा स्टूडेंट है जो आपका मित्र नहीं है, उसको देखकर नेगेटिव वाइब्रेशन आती है और वह कहें कि क्या पहन कर आए हो, ऐसे पहनते हैं क्या, तो आपका रिएक्शन दूसरा होगा। क्योंकि जब कोई आपका अपना आपको सलाह देता है तो आप सुधार करते हैं। लेकिन जब कोई आपको न पसंद करने वाला नेगेटिव व्यक्ति ऐसी आलोचना करता है तो उनकी बातों को नजरअंदाज कर दीजिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आलोचना करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है, विश्लेषण करना पड़ता है, भूतकाल देखना होता है, भविष्य देखना पड़ता है। लेकिन आजकल शॉर्टकट का जमाना है। लोग आजकल आलोचना नहीं करते आरोप लगाते हैं। आरोप और आलोचना के बीच में बहुत बड़ी खाई है। हम आरोपों को आलोचना न समझें।

प्रधानमंत्री ने कहा आलोचना को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। आलोचना हमें जिंदगी निर्माण करने में काम आती है। वह कहते हैं कि यदि आपने किसी अच्छे मकसद के लिए काम किया है तो आरोपों की बिल्कुल चिंता मत कीजिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि मां-बाप आलोचना नहीं करते हैं। वह टोका-टोकी करते हैं और आपको जो गुस्सा आता है वह टोका-टोकी पर आता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं मां-बाप से आग्रह करूंगा कि अपने बच्चों की भलाई के लिए आप इस टोका टोकी से बाहर निकलिए।

गौरतलब है कि 15 फरवरी से दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने जा रही है। बोर्ड परीक्षाओं के तनाव से निपटने एवं उबरने के लिए प्रधानमंत्री छात्रों के साथ परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं।

अगले दो साल में देशभर में 400 वंदे भारत ट्रैक पर उतरेंगी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वर्जन के लिए 1800 करोड़ रुपये रेलवे बजट से स्वीकृत किए गए हैं। अगले दो सालों में देश के अलग-अलग रूटों पर इस संस्करण की 400 ट्रेनें ट्रैक पर उतारी जायेंगी।

रेलवे के अनुसार आईसीएफ साहित कई कंपनियों ने इन ट्रेनों को बनाने में दिलचस्पी दिखाई है। 400 ट्रेनों में से पहली 200 चेयर कार ट्रेनें होंगी और बाकी स्लीपर वर्जन होंगी। यह भी बताया गया है कि चेयर कार ट्रेनों को अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे की गति से चलाने के लिए डिजाइन किया जाएगा और ये व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए 130 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। जबकि बाकी 200 ट्रेनें जो स्लीपर वर्जन में होंगी उन्हें 220 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति और 200 किमी प्रति घंटे की व्यावसायिक गति से चलने के लिए डिजाइन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार अगले दो साल में सभी 400 ट्रेनें देश के अलग-अलग रेल मार्गों की पटरी पर दौड़ने के लिए तैयार हो जाएंगी।

दरअसल वंदे भारत ट्रेनों के चेयर कार संस्करण धीरे-धीरे शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों की जगह लेंगे और ट्रेन के स्लीपर संस्करण राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों की जगह लेंगे। रेलवे के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वर्जन के कोच एल्युमिनियम के बने होंगे और

इसे अधिकतम 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने के लिए डिजाइन किया जाएगा। हालांकि सफर के लिए यह स्लीपर ट्रेन 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

जानकारी के अनुसार दक्षिण भारत के कई राज्यों में इस साल के अंत में वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत होगी। नए रूट्स में तेलंगाना में काचीगुड़ा से कर्नाटक में बेंगलुरु तक और तेलंगाना में सिकंदराबाद से आंध्र प्रदेश में तिरुपति और महाराष्ट्र में पुणे शामिल हैं। कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है। अब तक देश में आठ वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। ये नागपुर-बिलासपुर, दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली-कटड़ा, दिल्ली-ऊना, गांधीनगर-मुंबई, चेन्नई-मैसूर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम रूट पर चल रही हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में गृह मंत्रालय की झांकी में एनसीबी ने दिया भारत को नशा मुक्त बनाने का संदेश

राजेश अलख

नई दिल्ली, 27 जनवरी । गणतंत्र दिवस परेड में गृह मंत्रालय की झांकी में कर्तव्य पथ पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 'संकल्प 75-ड्रग फ्री इंडिया' विषय को प्रदर्शित किया।

इसमें भारत को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ विशेष संदेश दिया गया। इस झांकी ने सबको अपनी तरफ आकर्षित किया। बता दें कि गृह मंत्रालय ने इस साल एनसीबी को नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लेते हुए थीम पर झांकी प्रदर्शित करने का जिम्मा सौंपा था।

एनसीबी की झांकी में मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव को दिखाते हुए एक बड़ी मानवीय मूर्ति को दर्शाया गया है, जो ड्रग्स के खिलाफ एक मजबूत संदेश देती है। वहीं झांकी के पिछले हिस्से में बड़े आकार के हाथ और सभी जाति, धर्मों और क्षेत्रों के नागरिकों का प्रतिनिधित्व करते दिखाए गए हैं, जो मिलकर नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प ले रहे हैं।

गृह मंत्रालय की इस झांकी में 'एक साथ हम यह कर सकते हैं' जैसे आदर्श वाक्य के साथ ड्रग्स से लड़ने का संकल्प लेते हुए दिखाया गया है। राष्ट्र को नशा मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य के लिए झांकी के अलावा एनसीबी के कर्मी अपने दस्ते के साथ नशा मुक्त भारत का संदेश देते हुए आगे आगे चलते हुए भी दिखाई दिए।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में एनसीबी ने 75 दिनों में 75 हजार किलो ड्रग्स जप्त और नष्ट करने का संकल्प लिया था। जिसे तय समय के भीतर ही पूरा भी कर लिया गया था।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:113 DrawDate on:27/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 87G 16528
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 16528 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07315 08816 25281 37879 42806 63426 63783 77757 81955 85043
3rd Prize ₹450/-
2690 3165 4264 4410 6212 6545 7703 7935 8664 9004
4th Prize ₹250/-
3253 3810 4085 5608 6242 6982 7368 7717 9341 9828
5th Prize ₹120/-
0122 0153 0158 0401 0413 0635 0848 0863 1021 1040
1122 1123 1174 1203 1231 1236 1394 1399 1861 2043
2108 2495 2585 2587 2790 2824 2885 2904 2986 3028
3090 3099 3134 3163 3180 3201 3248 3269 3575 4293
4342 4466 4508 4632 4727 4773 4826 4856 5025 5148
5555 5755 5768 5816 5863 6018 6104 6178 6200 6267
6423 6449 6681 6703 6710 6725 6976 7082 7239 7241
7461 7630 7693 7780 7915 7965 8002 8008 8126 8228
8263 8302 8352 8376 8419 8441 8541 8581 8743 8888
8889 8925 9249 9362 9683 9698 9749 9810 9843 9885
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:113 DrawDate on:27/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 89L 24212
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 24212 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
18235 22146 23056 39117 41716 56519 62557 72745 81745 94743
3rd Prize ₹450/-
0303 0445 0617 0657 1513 3360 3834 5386 7052 7260
4th Prize ₹250/-
0401 0707 1195 2351 3545 5161 6400 6893 7342 7538
5th Prize ₹120/-
0205 0244 0281 0312 0387 0420 0550 0704 0711 1027
1029 1090 1141 1169 1252 1263 1370 1708 1793 1907
1921 2145 2275 2354 2453 2503 2621 2640 2842 2954
3014 3301 3310 3372 3451 3540 3642 3658 3759 3775
4016 4020 4229 4282 4334 4336 4461 4474 4489 4626
4732 4853 4959 5039 5070 5121 5148 5150 5221 5288
5382 5513 5571 5630 5662 5706 5733 5920 5960 5976
6111 6417 6567 6576 6849 6889 7018 7143 7211 7263
7276 7548 7565 7740 7765 7843 7851 7853 7995 8101
8123 8258 8372 8592 8939 9068 9207 9228 9396 9556
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:213 DrawDate on:27/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 60G 35644
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 35644 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
31361 35344 35525 37510 49202 49628 50108 72252 79976 83725
3rd Prize ₹450/-
1030 2055 2770 2945 3138 4844 7778 8680 9456 9598
4th Prize ₹250/-
0002 1297 2283 2656 2779 2842 2889 4951 7464 8235
5th Prize ₹120/-
0217 0393 0483 0509 0562 0581 0704 0759 0951 1029
1054 1118 1359 1523 1916 2038 2120 2220 2298 2365
2439 2446 2496 2508 2601 2622 2650 2850 2951 3040
3066 3206 3220 3225 3259 3334 3410 3424 3453 3591
3600 3649 3978 4030 4116 4216 4262 4357 4505 4540
4722 4997 5060 5075 5076 5244 5425 5567 5642 5737
5895 5912 5989 6013 6096 6238 6253 6305 6319 6334
6348 6439 6666 6736 6926 7192 7285 7536 7539 7969
8049 8058 8096 8150 8321 8334 8339 8440 8478 8570
8802 8944 8948 9038 9041 9198 9216 9282 9781 9936
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

नया कीर्तिमान

पुरुषों के भारतीय प्रीमियर लीग की तरह महिला क्रिकेट का प्रीमियर लीग भी शुरू करने का फैसला किया गया है। इसके लिए बोलियां मंगाई गईं। इसकी कोई आधार राशि तय नहीं थी। मगर इसमें जिस तरह कंपनियों ने उत्साह के साथ बोली लगाई, वह हैरान करने वाली थी। महिला प्रीमियर लीग की पांच टीमों की बिक्री से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई को चार हजार छह सौ सत्तर करोड़ रुपए की कमाई हो गई। चौदह साल पहले जब भारतीय प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई थी, तब पुरुष आइपीएल की आठ फ्रेंचाइजी बहत्तर करोड़ पैंतीस लाख नब्बे हजार डालर में बिकी थी। उसकी तुलना में यह काफी उत्साहजनक शुरुआत है। निस्संदेह इससे महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ा है।

भारत में महिला क्रिकेट अभी बिल्कुल नया है। इस खेल को खुद महिला खिलाड़ियों ने अपने दम पर खड़ा किया और लंबे संघर्ष के बाद अपनी पहचान बनाई। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया, तब इसकी तरफ गया और इन खिलाड़ियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाने लगा। कुछ महीने पहले ही बीसीसीआई ने महिला और पुरुष खिलाड़ियों में फीस को लेकर बरते जा रहे भेदभाव को समाप्त करने की घोषणा की।

महिला प्रीमियर लीग शुरू होने से माना जा रहा है कि न सिर्फ बीसीसीआई की कमाई कई गुना बढ़ जाएगी, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी कमाई के मामले में दूसरे कई देशों के पुरुष खिलाड़ियों को पीछे छोड़ सकती हैं। फिर इससे दूर-दराज के इलाकों से प्रतिभावान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को खेलने का व्यापक मंच उपलब्ध हो सकेगा।

इसलिए कि भारतीय क्रिकेट टीम में तो कुछ खिलाड़ियों का ही चयन होता है, मगर प्रीमियर लीग में टीमें कई होती हैं, इसलिए उनमें बहुत सारे खिलाड़ियों को खेलने का अवसर उपलब्ध होता है। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और टीमों के इनामों की घोषणा भी कर दी है। जो खिलाड़ी खरीदे जाएंगे, उनकी भी बोली लगेगी और फिर हर मैच के लिए उनकी फीस तय होगी।

इस तरह जो महिला खिलाड़ी पुरुष खिलाड़ियों की तुलना में अधिक संघर्ष करते हुए खेल रही थीं, उन्हें अब कमाई का नया अवसर मिलने जा रहा है। जाहिर है, इससे छोटे-छोटे कस्बों और गांवों तक में खेल रही लड़कियों का उत्साह बढ़ेगा और वे बेहतर प्रदर्शन कर महिला प्रीमियर लीग में प्रवेश पाने की प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी। इस तरह सचमुच आधी आबादी को बराबरी की जगह बनाने का अवसर मिल सकता है।

क्रिकेट को लेकर हमारे देश में विशेष प्रेम देखा जाता है। प्रीमियर लीग चूंकि कम ओवरों का, तेजी से खेला जाने वाला खेल है, इसलिए उसमें अधिक रोमांच होता है और क्रिकेट प्रेमियों में इसे लेकर उत्साह बना रहता है। जाहिर सी बात है, जिस खेल को लेकर ज्यादा दर्शक उत्साहित और उत्सुक होते हैं, उससे कमाई भी अधिक होती है। इसलिए इसके लिए टीमें खरीदने को लेकर बड़ी-बड़ी कंपनियां भी बोली लगाती हैं।

महिला प्रीमियम लीग की टीमें खरीदने में अडानी और अंबानी समूह ने भी बोली लगाई और ऊंची दरों पर टीमें खरीदने में कामयाबी हासिल की। निस्संदेह बीसीसीआई के लिए यह एक नया कीर्तिमान बना, पर इस उत्साह में फिर एक टीस उभरी कि भारतीय हाकी और दूसरे खेलों में संघर्ष कर रही लड़कियों को कब ऐसे प्रोत्साहन देने वाले सामने आएंगे।

एसबीएम-जी का लक्ष्य अरुचिकर कार्यों और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों से मुक्ति है

सुश्री विनी महाजन

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण एक जन-आंदोलन के रूप में इस विशाल देश के कोने-कोने में पहुंच गया है। इसने न सिर्फ लोगों के व्यवहार को बदल दिया है, बल्कि यह घर-घर में एक जाना-पहचाना नाम भी बन गया है। स्वच्छ भारत मिशन, एक ऐसा प्रमुख कार्यक्रम जिसे स्वयं माननीय प्रधानमंत्री ने बढ़ावा दिया है, की उपलब्धियां रहीं हैं।

वर्तमान में चल रही यह प्रक्रिया सभी राज्य और जिला स्तरीय मशीनरी, विकास के भागीदारों, गैर सरकारी संगठनों, पंचायत के नेताओं और उन समुदायों के सहयोग से संभव हो पाई है जो स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत की भावना से अपने समुदायों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में योगदान देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद रोधी आंदोलन के नेता और आधुनिक दक्षिण अफ्रीका के जनक, श्री नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, जब तक महिलाओं को सभी प्रकार के उत्पीड़नों से मुक्त नहीं दिलाई जाती, आजादी तब तक हासिल नहीं की जा सकती। कोई भी इस भावना से असहमत नहीं हो सकता। एक साल से अधिक समय से पेयजल और स्वच्छता विभाग में काम करने के दौरान, मुझे देश के दो प्रमुख कार्यक्रमों- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन- में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। दोनों ही कार्यक्रम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं और उन्हें अंतहीन अरुचिकर कार्य व बीमारियों से मुक्ति दिला रहे हैं।

इस गणतंत्र दिवस के मौके पर, खराब प्रथाओं और अस्वास्थ्यकर स्थितियों से मुक्ति की ओर इशारा करना उचित है, जिसके लिए एसबीएम-जी मिशन काम कर रहा है। जहां इस मिशन ने समाज के सभी वर्गों की स्वच्छता तक पहुंच संभव बनाई है, वहीं इस 'गरीब-समर्थक और महिला-समर्थक' अभियान ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और कई स्वास्थ्य संबंधी लाभ प्रदान करते हुए उन्हें शौच करने के लिए अंधेरा होने तक का इंतजार करने से भी छुटकारा दिलाया है।

दूसरी ओर, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन एक कदम और आगे बढ़कर देश के पानी की कमी वाले इलाकों में रहने वाली ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान बन गया है। अब तक, एसबीएम-जी और एनजेजेएम के महान मिशनों के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है और 10.90 करोड़ से अधिक घरेलू नल जल के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

इसके अलावा, एसबीएम-जी ने भारत को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 6.2 को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर किया है, ताकि हाशिए पर रहने वाले लोगों, महिलाओं एवं लड़कियों, बेहद नाजुक परिस्थितियों में रहने वाले लोगों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देते हुए वर्ष 2030 तक सभी के लिए सफाई व स्वच्छता तक पर्याप्त एवं समान पहुंच हासिल की जा सके और खुले में शौच की प्रथा का अंत किया जा सके। विभिन्न अध्ययनों से यह पता चलता है कि महत्वपूर्ण आर्थिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों से लैस एसबीएम (जी) के कारण शौचालय का उपयोग 93.4 प्रतिशत है, जोकि खासतौर पर महिलाओं के सशक्तिकरण में योगदान करता है।

लाइटहाउस पहल: एसबीएम-जी के साथ देश निश्चित रूप से सही रास्ते पर है, हालांकि अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में निजी क्षेत्र की भूमिका को स्वीकार करते हुए और इस तथ्य को मानते हुए कि स्वच्छता हर किसी की जिम्मेदारी है, पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) फिक्की के भारत स्वच्छता गठबंधन (आईएससी) के साथ सहयोग कर रहा है, जोकि एक बहु-हितधारक मंच है और भारत के गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) की स्थायी व्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के लिए कॉरपोरेट भागीदारों एवं विकास भागीदारों के साथ मिलकर काम करता है। पहले चरण में, पंद्रह राज्यों में मॉडल या 'लाइटहाउस' ग्राम पंचायतों का निर्माण करने का लक्ष्य है जो एसएलडब्ल्यूएम से संबंधित व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक लागू करेंगे जिन्हें हमारे सभी गांवों को ओडीएफ ख्लस मॉडल बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश भर में आगे बढ़ाया जा सकता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023: स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 भी चल रहा है। यह एक ऐसा सर्वेक्षण है जो एसबीएम-जी के प्रमुख मात्रात्मक और गुणात्मक मापदंडों के आधार पर राज्यों और जिलों के प्रदर्शन के अनुरूप उन्हें वर्गीकृत करता है। एसएसजी 2023 का उद्देश्य एसबीएम-जी चरण में गांव, जिला और राज्य स्तर पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना; ओडीएफ ख्लस मॉडल गांवों के बारे में जागरूकता पैदा करना; सहकर्मी सत्यापन के माध्यम से आकलन करना एवं सीखना; ग्राम पंचायतों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करना और सभी स्तरों पर विजेताओं को पहचानना है।

गति में तेजी लाने के लिए, पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने विभिन्न प्रतिष्ठित अभियान भी आयोजित किए हैं, जिन्होंने काफी असर डाला है। उनमें से एक रेट्रोफिट टू ट्विनपिट अभियान है जो मौजूदा सिंगल-पिट शौचालयों को ट्विन-पिट शौचालयों में रेट्रोफिट करके और सेप्टिक टैंक शौचालयों को एयर वेंट्स और सोख्ता गड्ढों से जोड़कर सरल ऑन-साइट तकनीकों को बढ़ावा देता है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण इलाके के घरों में मल के सुरक्षित निपटान के बारे में जागरूकता पैदा करना भी है।

सुजलाम 1.0 और 2.0 अभियानों के तहत, घरों और प्रतिष्ठानों में उत्पन्न गंदे पानी के प्रभावी शोधन के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया था। इस अभियान ने अपशिष्ट जल के न्यूनतम ठहराव को सुनिश्चित किया और गांव के तालाबों में इसके प्रवाह की संभावनाओं का पता लगाया। इन दोनों अभियानों के दौरान 23 मिलियन से अधिक सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया।

जहां तक गोबरधन का संबंध है, यह गांवों को अपने मवेशियों, कृषि और जैविक कचरे को सुरक्षित रूप से प्रबंधित करने तथा इसे स्वच्छ ईंधन एवं जैविक खाद में परिवर्तित करते हुए पर्यावरण स्वच्छता में सुधार लाने और वेक्टर जनित रोगों पर अंकुश लगाने में मदद करता है। इस संबंध में, भारत सरकार हर जिले को मवेशियों के गोबर और जैविक कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए तकनीकी सहायता और 50 लाख रुपये प्रति जिले तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। अब तक, देश भर में 500 से अधिक गोबरधन संयंत्र उपलब्ध हैं।

सूचना, शिक्षा एवं संचार ने जागरूकता फैलाने और एसबीएम-जी से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और शुरू से ही अधिकांश गतिविधियों ने सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है जिसके कारण समुदायों ने इन परियोजनाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु इनका स्वामित्व अपने ऊपर ले लिया है। स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता दौड़, स्वच्छ भारत दिवस, स्वच्छता के लिए एकजुट भारत, ऐसी भागीदारी के उदाहरण हैं। यह देखते हुए कि एसबीएम-जी चरण को किफायती और कम लागत वाली व्यवहारिक तकनीकी उपायों की जरूरत है और जिसके लिए परिसंपत्तियों के निर्माण में विशेष कौशल की जरूरत है, क्षमताओं को मजबूत करने पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है।

मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के प्रबंधन (एमएचएम) में जमीनी स्तर की पहल करने के लिए ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने और राज्यों के बीच एक दूसरे से सीखने की प्रक्रिया (क्रॉस-लर्निंग) को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में एमएचएम के बारे में ग्राम पंचायतों के लिए एक राष्ट्रीय फिल्म प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि ज्ञान, वर्जनाओं, कलंक, मासिक धर्म से संबंधित उत्पादों तक सीमित पहुंच और उपयोग किए गए सैनिटरी पैड के सुरक्षित निपटान तंत्र की कमी के कारण मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता चिंता का एक विषय बनी हुई है। एमएचएम के प्रति महिलाओं और लड़कियों को संवेदनशील बनाने से लड़कियों के स्वास्थ्य और उनके सम्मान में सुधार लाकर उनके स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने (ड्राप आउट) की दर को कम करने में काफी मदद मिलेगी।

इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं हमारे स्वच्छता योद्धाओं, ग्राम पंचायत के नेताओं और जिला और राज्य स्तर के पदाधिकारियों को सलाम करती हूं जिन्होंने हमारे गांवों में स्वच्छता की स्थिति में सुधार लाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। वे निस्संदेह भारत को एक स्वस्थ और स्वच्छ राष्ट्र में बदलने के लिए एक पथप्रदर्शक के रूप में उभरे हैं।

(इस लेख की लेखिका सुश्री विनी महाजन, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग की सचिव हैं)

वित्तमंत्री से मध्य वर्ग को उम्मीद

मधुरेंद्र सिन्हा

राजस्व वसूली के लिहाज से यह वित्त वर्ष सरकार की बांछें खिला देने वाला है। उसकी तिजोरी कुछ ज्यादा ही भर गई है। पिछले कुछ वर्षों में जो नहीं हो पाया, वह इस बार हुआ। देश के आर्थिक हालात इतने अच्छे हैं कि आने वाले समय में उसकी जेब भरी ही रहेगी। कोरोना के कहर से देश के बाहर निकल जाने के बाद अर्थव्यवस्था में आशातीत तेजी आई, जो टैक्स वसूली में साफ परिलक्षित हो रही है। इससे मध्य वर्ग के लोग खासकर नौकरी पेशा वर्ग में काफी उम्मीदें जग गई हैं। यह वही वर्ग है, जिसकी खपत करने की ताकत से मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री हो या सर्विस सेक्टर, दौड़ते हैं। जबकि हालत यह है कि देश में बेरोजगारी बढ़ी ही है, घटी नहीं है। महंगाई ने भी मध्य वर्ग को परेशान किया, लेकिन उसने खर्च करने की अपनी आदत बरकरार रखी, जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला। यह वर्ग महत्वाकांक्षी है और सपने देखता ही नहीं है, बल्कि उसे पूरा करने के लिए पैसे भी खरचता है।

ऐसे में मध्य वर्ग इस बार वित्तमंत्री से काफी कुछ चाह रहा है और सच तो यह है कि उनके पास देने को काफी कुछ है। प्रत्यक्ष कर बोर्ड यानी सीबीडीटी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 10 जनवरी, 2023 तक कुल प्रत्यक्ष कर वसूली 14.71 लाख रुपये हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 24.58 फीसदी ज्यादा है। रिफंड वगैरह देने के बाद यह राशि 12.31 लाख रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19.55 फीसदी ज्यादा है और यह बजट में प्रत्यक्ष कर वसूली के अनुमानों का 86.68 फीसदी है। यानी सरकारी खजाना अनुमान से ज्यादा भरेगा। दूसरी ओर परोक्ष कर यानी अप्रत्यक्ष कर में भी अब तक 24 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स में भी आशातीत बढ़ोतरी हुई है और कुल प्राप्ति 6.35 लाख करोड़ रुपये रही है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, भारत में टैक्स वसूली पिछले बारह वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023 में सरकार को 1.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी होगी। इतना ही नहीं, विनिवेश से भी सरकार को कम से कम 64,000 करोड़ रुपये की आय होगी। यह वित्तमंत्री के लिए खुशनुमा स्थिति है और हालात ऐसे हैं कि उनके पास काफी विकल्प हैं। इस बार की वसूली से अर्थशास्त्रियों और मध्य वर्ग में एक उम्मीद जगी है कि वित्तमंत्री कई तरह की राहत देंगी।

2023-24 का यह बजट लोकसभा चुनाव के पहले का पूर्ण बजट होगा। जाहिर है कि मोदी सरकार चाहेगी कि कई सारी ऐसी घोषणाएं इसमें हों, जो लोक लुभावन ही नहीं, वोट खींचने वाली हों। सच तो यह है कि यह देश वोट की राजनीति पर चलता है और यहां ज्यादातर उसी तरह के कदम उठाए जाते हैं, जिनसे वोट मिलें। यह बात इस बार भी सच होती दिखेगी, ऐसा विश्लेषकों का मानना है। ऐसा मौका वित्तमंत्री को फिर नहीं मिलेगा। आइए देखें, वित्तमंत्री क्या कर सकती हैं। सबसे पहले तो वह व्यक्तिगत आयकर के स्लैब को बदल सकती हैं। इस समय देश में आयकर रिटर्न भरने के दो विकल्प हैं। लेकिन जो नया विकल्प वित्तमंत्री ने पेश किया था, वह उतना सफल नहीं हुआ और अब उसे सुधारने या यों कहें कि व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। दूसरी बड़ी बात यह हो सकती है कि सरकार इस बार आयकर की न्यूनतम सीमा ढाई लाख रुपये से बढ़ाकर सीधे पांच लाख रुपये कर दे।

एक बड़ी राहत यह हो सकती है कि स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा बढ़ाई जा सकती है। हालांकि इस समय महंगाई की दर कम हो गई है, लेकिन पिछले महीनों में यह सीमा से ज्यादा हो गई थी। इस समय भी आटे और दाल की कीमतें काफी हैं और यह कम आय के नौकरीपेशा लोगों के लिए कष्टदायक है। यह देखते हुए कि रुपये की क्रय शक्ति घटी है और लोग बचत कम कर रहे हैं, जो सरकार के लिए अच्छा नहीं है, वित्तमंत्री लघु बचत पर ब्याज बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं। इस बार वित्तमंत्री सीनियर सिटीजन्स के लिए मेडिकिल इंश्योरेंस में लगे भारी-भरकम जीएसटी को घटाने पर भी विचार करें। पिछले दिनों सीतारमण ने मध्य वर्ग के लिए ढेर सारी सहानुभूति जताई और अपने को भी उसी वर्ग का बताया। लेकिन सिर्फ इससे तो काम नहीं चलेगा, उन्हें अपनी तिजोरी खोलनी ही पड़ेगी। इसमें ही सभी का कल्याण है।

गणतंत्र का गौरव गान

कुमार नरेंद्र सिंह

भारत अपने गणतंत्र का 74वां समारोह मना रहा है। जिस समय आप यह लेख पढ़ रहे होंगे, उस समय राजपथ, जिसका नाम बदल कर नरेन्द्र मोदी सरकार ने अब कर्त्तव्यपथ कर दिया है, पर भारतीय राष्ट्र राज्य अपने पराक्रम और शौर्य का प्रदर्शन कर रहा होगा।

युद्धक विमानों के गड़गड़ाहट से आसमान थर्रा रहा होगा और टैंक एवं तोपों की प्रदर्शनी से उपस्थित जनसमूह उल्लसित हो रहा होगा। विभिन्न राज्यों की झांकियां जनसमूह को आनंदित कर रही होंगी। इस दौरान दिखाए जा रहे अनुपम दृश्य बरबस हमारे मन को आह्लादित करते हैं और गर्व का अनुभव भी कराते हैं। लेकिन यह ऐसा अवसर भी है जब सोचना होता है कि हमारे आम जन का जीवन कितना बेहतर हुआ है?

डिजिटल होते भारत में उसके हालात पहले कहीं ज्यादा बदले हैं। बेशक, वह इन्हें देखकर आनंद का अनुभव करता है। परेड में शामिल सारे साजो-सामान राज्य के हैं, जो इनके प्रदर्शन से अपनी शक्ति का मुजाहिरा पेश करता है। प्रकारांतर से यह जनता की ही शक्ति है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि राज्य की शक्ति जनता की शक्ति नहीं होती है। वे कहते हैं कि जिस अनुपात में राज्य की शक्ति में इजाफा होता है, जनता की शक्ति में उसी अनुपात में क्षरण होता है। राज्य अमूमन इन शक्तियों का इस्तेमाल देश के दुश्मनों के खिलाफ करता है। इस मामले में भारत ने अपना लोहा मनवाया है। दुश्मन राष्ट्र की सीमा में घुसकर राज्य इन्हीं हथियारों का प्रयोग करने से नहीं हिचकिचाया।

हमें यह जानकर हर्ष होता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर की हो गई है, लेकिन जब हम इसकी तह में जाते हैं, तो मन में हर्ष के बदले विषाद पैदा होने लगता है। पिछले कतिपय वर्षों में देश में आर्थिक असमानता अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। आलम यह है कि केवल पांच प्रतिशत लोगों के हाथों में देश का 60 प्रतिशत धन जमा है, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास केवल तीन प्रतिशत धन है। ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट के अनुसार 2012-2020 के बीच देश में जितना धन का सृजन हुआ, वह केवल एक प्रतिशत लोगों के हाथों में गया। 2020 में हमारे देश जहां केवल 102 अरबपति थे, वहीं 2022 आते-आते 166 लोग अरबपति बन बैठे। भारत के सबसे धनी 100 लोगों के पास 54.12 लाख करोड़ की संपत्ति है। मालूम हो कि इस धन से 18 महीने तक केंद्रीय बजट का पोषण किया जा सकता है। न केवल आर्थिक असमानता, बल्कि गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी भी लगातार बढ़ती जा रही है। आज स्थिति यह है कि पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने के बावजूद 80 करोड़ लोगों को पांच किलो के मुफ्त चावल पर जीवन चल रहा है। बेशक, हमारी जनता के हालात अब भी चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन सरकार के हर संभव प्रयास हैं कि उनके हालात बेहतर हों। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर दवाई तक के इंतजाम में सरकार तल्लीन है। बेशक, भारत आज की तारीख में रोजगार के मोर्चे पर तमाम चुनौतियों का सामना कर रहा है। आंकड़े बताते हैं कि रोजगार के लिहाज से भारत अपने आज तक के सबसे बुरे दिन से गुजर रहा है। लेकिन छोटे और असंगठित क्षेत्र को ऋण सहूलियतें बेहतर करके सरकार की कोशिश है कि बेरोजगारी के हालात संवारे जाएं। दरअसल, कोरोना महामारी ने हमारे असंगठित क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसके प्रतिकूल असरात से अर्थव्यवस्था अभी तक उभर नहीं पाई है, लेकिन सरकार ने जैसे कमर कस ली है कि हालात को बेहतर बनाया जाएगा। सरकारी क्षेत्र में रोजगार सृजन को प्राथमिकता देनी होगी क्योंकि सरकार स्वयं कहती है कि देशभर में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं।

सरकार ने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, वही सरकार अब बेरोजगारी का महिमा मंडन कर रही है। आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा बेरोजगारी पढ़े-लिखे नौजवानों में है। इसके लिए सरकार को विशेष प्रबंध करने होंगे।

गणतंत्र कोई काल्पनिक अवधारणा नहीं होती, बल्कि वह नागरिकों की की आकांक्षा पथ प्रदशर्क होती है, जहां उसके अधिकार सुरक्षित होते हैं। लोकतांत्रिक साख और आर्थिक विकास ही गणतंत्र के पर होते हैं। सरकार इस तथ्य से पूरी तरह वाकिफ है, और इसी दिशा में उसके प्रयास हैं। चाहती है कि अवाम में लोकतांत्रिक चेतना का विकास हो और वह आज सत्ता के घर का बंधक भर न रह जाए।

शासन-प्रशासन की सारी संवैधानिक लोकतांत्रिक संस्थाओं को नये सिरे से चाक-चौबंद किया जा रहा है। देश-विरोधी ताकतें कोई मौका नहीं चूक रहीं देश के मान-सम्मान को चोट पहुंचाने की। संसद देश में बहस और विमर्श का सबसे बड़ा मंच है। लेकिन विपक्षी पार्टियां कोई मौका नहीं छोड़ना चाहतीं, उसकी उपयोगिता को महत्त्वहीन करने में। वर्तमान सरकार ने संसद की सार्थकता को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास जारी रखे हैं। हमने अनेक बार देखा है कि सरकार मुद्दों पर चर्चा तक कराने को तैयार होती है, तो विपक्ष अपने तई सरकार के साथ सहयोग के लिए तैयार नहीं होता। उसकी कोशिश रहती है कि बिना किसी बहस के कानून पारित करने की नौबत आए और सरकार की किरकिरी हो। इससे जाहिर होता है कि इस सरकार को लोकतंत्र की बेहद परवाह है।

विपक्ष की कोशिश रहती है कि संसद की कार्यवाही को बेमानी किया जाए। और वह इस काम में कुछ समय पूर्व कहे गए एक कथन का सहारा लेता है, जिसमें कहा गया था कि देश में कुछ ज्यादा ही लोकतंत्र है, जिसे कम किए जाने की सख्त जरूरत है। तो गणतंत्र दिवस की इस पूर्व संध्या में हमें जरा ठहरकर सोचना होगा कि देश किस कदर प्रतिगामी ताकतों से घिरे होते हुए भी अपनी मंजिल की ओर अग्रसर है। हाल में भारतीय अर्थव्यवस्था ने ऊंची छलांग लगाकर समूचे विश्व को हैरत में डाल दिया। उस ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ दिया जिसने कभी भारत पर शासन किया था। आने वाले दशक में उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगी। और इसी के साथ आजादी का यह अमृतकाल अपनी सार्थकता को प्राप्त कर लेगा।

स्वास्थ्य प्रणाली तक गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण एनआईबी की भूमिका : मंडाविया

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है कि केवल गुणवत्ता वाले जैविक उत्पाद स्वास्थ्य प्रणाली तक पहुंचें। जैविक गुणवत्ता पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद मनसुख मंडाविया ने कहा, राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन जैविक उत्पादों के गुणवत्ता आश्वासन के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत के लिए हितधारकों, नियामक प्राधिकरणोंऔर शिक्षाविदों को एक साथ लाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

डॉ. मंडाविया ने कहा कि जैविक दवाएं पारंपरिक रासायनिक दवाओं के साथ चिकित्सा के विकल्प के रूप में उभरी हैं। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा आपातकाल ने देखा है कि हमारा बायोफार्मा और डायग्नोस्टिक उद्योग न केवल हमारे देश बल्कि विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकता को पूरा करने के लिए रणनीतिक संपत्ति साबित हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कई हितधारकों को एक मंच पर लाने के लिए एनआईबी को बधाई देते हुए कहा, यह सम्मेलन भारत में वर्तमान में प्रचलित गुणवत्ता आश्वासन ऑप्टिकोण में अंतर विश्लेषण के लिए एक आधार प्रदान करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह देश के बायोफार्मास्यूटिकल्स और इन-व्रिटो डायग्नोस्टिक उद्योग के बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों को उन्नत करने में मदद करेगा और विश्व स्तरीय उत्पादों को विकसित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की क्षमता बढ़ाएगा। मंत्री ने बायोफार्मा क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता को महसूस करने और राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम की दिशा में पहल करने के लिए एनआईबी की भी सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि एनएचएम नॉलेज के सहयोग से एनआईबी ब्लड सेल पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को 'बायोलॉजिकल के गुणवत्ता नियंत्रण' पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और रक्त सेवाओं को मजबूत करने और विश्लेषणात्मक कौशल और तकनीकी ज्ञान को विकसित करने और बढ़ाने के लिए ब्लड बैंक अधिकारियों को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। मंत्री ने एनआईबी से इस विशेष क्षेत्र में योग्य मानव संसाधन तैयार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और मजबूत करने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार और नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने भी वीडियो संदेश के माध्यम से शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

डॉ पवार ने कहा कि एनआईबी जैविक की गुणवत्ता के पूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। एनआईबी जैविक की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य नियामक एजेंसियों और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह होंगे महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

मुंबई, 27 जनवरी (एजेन्सी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह महाराष्ट्र के नए राज्यपाल होंगे। पंजाब की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब विधानसभा चुनाव के कुछ समय पहले कांग्रेस से अलग हो गए थे। इसके बाद वह बीजेपी में शामिल हुए थे। वहीं अब कैप्टन अमरिंदर सिंह को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाए जाने का ऐलान उनके लिए बड़ा तोहफा बना जा रहा है। दरअसल महाराष्ट्र के मौजूदा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने पद छोड़ने की इच्छा जताई थी। इसके बाद अमरिंदर सिंह को राज्यपाल बनाने का फैसला किया गया है।

कोश्यारी छत्रपति शिवाजी को लेकर अपनी टिप्पणी के कारण लगातार विपक्ष के निशाने पर रहे। इसके चलते उन्होंने पद से हटने की तैयारी की थी। भगत सिंह कोश्यारी ने सोमवार को कहा था कि माननीय प्रधानमंत्री के हालिया मुंबई दौरे के दौरान मैंने सभी राजनीतिक दायित्यों से मुक्त होने और बाकी जीवन पढ़ने-लिखने और अन्य गतिविधियों में बिताने की अपनी इच्छा के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन का बाकी समय पढ़ने-लिखने समेत अन्य गतिविधियों में बिताना चाहेंगे।

राजभवन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल ने कहा था कि माननीय प्रधानमंत्री से उन्हें हमेशा प्यार और स्नेह मिला और वह उम्मीद करते हैं इस संबंध में भी उन्हें वही स्नेह मिलेगा। प्रधानमंत्री बीते 19 जनवरी को कई परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन के लिए मुंबई में थे। कोश्यारी ने कहा कि राज्य सेवक या राज्यपाल के रूप में संतों, समाज सुधारकों और बहादुर सेनानियों की धरती महाराष्ट्र जैसे महान राज्य की सेवा करना मेरे लिए पूर्ण सम्मान और सौभाग्य की बात है।

कोश्यारी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में सितंबर 2019 को पदभार ग्रहण किया था और उस समय उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाड़ी की सरकार थी। राज्य विधान परिषद में 12 सदस्यों की नियुक्ति सहित कई मुद्दों पर सरकार के साथ कोश्यारी के विवाद थे। एमवीए ने उनपर भेदभावपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाया था। हालिया विवाद कोश्यारी के उस बयान को लेकर था जिसमें उन्होंने छत्रपति शिवाजी पर टिप्पणी करते हुए उन्हें पुराने जमाने का आदर्श बताया था।

राज्यपाल ने एक अन्य विवादित बयान में कहा था कि यदि राजस्थानी और गुजराती समुदाय के लोगों ने जाने का फैसला कर लिया तो मुंबई देश की वित्तीय राजधानी नहीं रह जाएगी। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना के बीजेपी से गठबंधन तोड़ने पर कोश्यारी ने मुख्यमंत्री ने देवेंद्र फडणवीस को शपथ दिलाई और एनसीपी नेता अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। उन्होंने एक अन्य विवादित बयान में समर्थ रामदास को छत्रपति शिवाजी महाराज का गुरु बताया था।

उच्च न्यायालय ने सेंगर की अंतरिम जमानत की अवधि घटाई

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2017 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग से दुष्कर्म के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई अंतरिम जमानत से संबंधित आदेश में शुक्रवार को संशोधन किया।

अदालत ने सेंगर को बेटी के तिलक समारोह के बाद समर्पण करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि सेंगर को उसकी बेटी की शादी से पहले फिर अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए।

अदालत ने पहले सेंगर को दो हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

उच्च न्यायालय को शुक्रवार सुबह सूचित किया गया कि सेंगर को तिहाड़ जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इसके बाद उसने पीड़िता की याचिका पर सेंगर को दी गई अंतरिम जमानत से जुड़े आदेश में संशोधन किया। पीड़िता ने अपनी याचिका में यह कहते हुए सेंगर की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग की थी कि उसे और उसके परिवार को खतरा है।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता और न्यायमूर्ति पूनम ए बांबा की पीठ ने निर्देश दिया कि सेंगर एक फरवरी को जेल प्राधिकारियों के सामने समर्पण करेगा, क्योंकि उसकी बेटी का तिलक समारोह 30 जनवरी को है। पीठ ने कहा कि सेंगर को छह फरवरी को एक बार फिर अंतरिम जमानत पर जेल से रिहा किया जाए और वह 10 फरवरी को दोबारा समर्पण करे, क्योंकि उसकी बेटी की शादी आठ फरवरी को होना तय है।

पीठ ने इससे पहले 16 जनवरी को सेंगर को उसकी बेटी की शादी के मद्देनजर 27 जनवरी से 10 फरवरी तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद पीड़िता ने कहा, अगर कुलदीप सेंगर को जमानत मिलती है, तो मुझे और मामले के गवाहों को खतरा होगा। वहां के सभी सरकारी अधिकारी उसके नियुक्त किए हुए हैं। मेरी गुजारिश है कि उसे रिहा न किया जाए, वरना वह मुझे मरवा भी सकता है।

पीड़िता की ओर से पेश अधिवक्ता महमूद प्राचा ने कहा कि सेंगर जब हिरासत में था, तब भी सुरक्षा को लेकर आशंकाएं थीं और आमतौर पर कैदियों को शाम को जेल से रिहा किया जाता है, लेकिन सेंगर को सुबह जल्दी रिहा कर दिया गया, जो उसकी ताकत को दर्शाता है।

वहीं, सेंगर की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद दुबे ने पीड़िता की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि अदालत ने उनके मुवक्किल को राहत देते समय पर्याप्त शर्तें लागू की हैं और वह अंतरिम जमानत की अवधि घटाने के बजाय उससे (सेंगर से) अपने घर में ही रहने के लिए कह सकती है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पहले सेंगर की बेटी की शादी के तथ्य को सत्यापित किया था। हालांकि, बाद में उसने नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में अदालत से कहा था कि वह अंतरिम जमानत से संबंधित आदेश पर पुनर्विचार कर सकती है और उसे वापस ले सकती है।उन्नाव दुष्कर्म मामले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली सेंगर की याचिका उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। भाजपा के निष्कासित नेता ने निचली अदालत के दिसंबर 2019 के आदेश को रद्द करने की अपील की है, जिसने उसे नाबालिग से दुष्कर्म के जुर्म में ताउम्र जेल में रहने की सजा सुनाई है।

इसके अलावा, 13 मार्च 2020 को अदालत ने दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में सेंगर को 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी। अदालत ने कुलदीप सेंगर के भाई अतुल सेंगर और पांच अन्य को भी इस मामले में 10 साल जेल की सजा सुनाई थी।

संजय राउत ने नए सहयोगी प्रकाश अंबेडकर से कहा, अपनी भाषा पर ध्यान दें

मुंबई, 27 जनवरी (एजेन्सी)। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के साथ शिवसेना (यूबीटी) के गठबंधन के बमुश्किल पांच दिन बाद शुक्रवार को दो नए सहयोगियों के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने वीबीए अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार के बारे में बात करते हुए शब्दों पर ध्यान रखने की सलाह दी।

वह अंबेडकर की इस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे कि पवार अभी भी भाजपा के साथ हैं। 23 जनवरी को वीबीए-सेना (यूबीटी) साझेदारी की घोषणा के तुरंत बाद अंबेडकर ने उक्त टिप्पणी की जिससे एक नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया।

संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम शरद पवार पर अम्बेडकर के बयान से बिल्कुल भी सहमत नहीं हैं। संजय राउत ने कहा, कांग्रेस और राकांपा महा विकास अघाड़ी (एमवीए) विपक्षी गठबंधन में शिवसेना (यूबीटी) की सहयोगी हैं। हम अंबेडकर से अनुरोध करेंगे कि वह अब से शरद पवार के बारे में बोलते हुए अपने शब्दों पर ध्यान रखें।

उन्होंने कहा कि अतीत के मतभेदों को दूर रखते हुए सभी को एमवीए में मिलकर काम करना चाहिए और आगे की राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत संयुक्त मोर्चा तैयार करना चाहिए।

राउत की फटकार से प्रभावित अंबेडकर ने यह कहते हुए पलटवार किया कि अगर यही सलाह शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की ओर से आती तो वे बाध्य होते।

वीबीए प्रमुख ने दोहराया कि राजनीति में कोई भी दल एक-दूसरे का दुश्मन नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि उनकी पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ फिर से गठजोड़ नहीं करेगी।

अम्बेडकर ने यह भी कहा कि यदि भाजपा अपनी 'मनुस्मृति' को खारिज करती है तो उनके साथ चर्चा होगी क्योंकि तानाशाही को रोकना और लोकतंत्र को बचाना समय की मांग है जिसके लिए सभी समान विचारधारा वाले दलों को एक साथ आना चाहिए।

23 जनवरी को दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की 97वीं जयंती पर, सेना (यूबीटी)-वीबीए ने औपचारिक रूप से आगामी निकाय चुनावों के लिए अपने बहुप्रतीक्षित 'शिव शक्ति-भीम शक्ति' राजनीतिक गठबंधन की घोषणा की। हलांकि, कांग्रेस और एनसीपी ने सावधानी से नई साझेदारी का स्वागत किया था। हालांकि, वे कथित तौर पर इसकी प्रभावकारिता पर आपत्ति जताते हैं।

सुप्रीम कोर्ट संसद में अहम मुद्दों पर बहस की प्रणाली पर विचार को राजी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें केंद्र को एक उपयुक्त प्रणाली बनाने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है, जो नागरिकों को संसद में याचिका दायर करने और बहस, चर्चा और विचार-विमर्श शुरू करने का अधिकार देती है।

न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने याचिका में किए गए अनुरोधों पर कहा कि अगर ऐसा करने की अनुमति दी जाती है, तो इससे संसद का कामकाज बाधित हो सकता है, क्योंकि अन्य देशों की तुलना में भारत में बड़ी आबादी है।

पीठ ने याचिकाकर्ता करण गर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता रोहन जे. अल्वा से कहा, 'आप चाहते हैं कि इसे अनुच्छेद 19 (1) के हिस्से के रूप में घोषित किया जाए। यह संसद के कामकाज को पूरी तरह से बाधित करेगा।'

अधिवक्ता एबी पी. वर्गीज की मदद लेते हुए अल्वा ने तर्क दिया कि याचिका संवैधानिक कानून पर प्रश्न उठाती है और कोई मतदाता जो मुद्दों के प्रति चौकस रहता है, लेकिन निर्वाचित होने के बाद सांसद के साथ उसका कोई जुड़ाव नहीं रह पाता।

वकील ने शीर्ष अदालत से मामले में नोटिस जारी करने का आग्रह किया।

पीठ ने पूछा कि लोकसभा और राज्यसभा के खिलाफ रिट याचिका कैसे सुनवाई योग्य है, तब वकील ने तर्क दिया कि यूके के हाउस ऑफ कॉमन्स में ऐसी प्रणाली है, जो वेस्टमिंस्टर मॉडल पर आधारित है। ये प्रथाएं विदेश में प्रचलन में हैं।

दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने वकील से केंद्र सरकार के स्थायी वकील से याचिका मांगी और कहा, 'आइए, देखते हैं कि उन्हें क्या कहना है।' शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होनी तय की। हालांकि, इसने याचिका पर नोटिस जारी नहीं किया।

याचिकाकर्ता ने याचिका में तीन प्रतिवादी बनाए हैं : भारत संघ अपने सचिव के माध्यम से, लोकसभा अपने महासचिव के माध्यम से, और राज्यसभा अपने महासचिव के माध्यम से।

याचिका में एक घोषणा की मांग की गई थी कि नागरिकों को सीधे संसद में याचिका दायर करने और जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा आमंत्रित करने का मौलिक अधिकार है।

वकील जॉबी पी. वर्गीस के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है : 'रिट याचिका में अनुरोध किया गया है कि उत्तरदाताओं के लिए ठोस कदम उठाना अनिवार्य है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसद में नागरिकों को अनुचित बाधाओं और कठिनाइयों का सामना किए बिना उनकी आवाज सुनी जा सके। इसके लिए यह रिट याचिका एक विस्तृत और बारीक रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जिसके तहत नागरिक याचिकाएं तैयार कर सकते हैं, इसके लिए समर्थन प्राप्त कर सकते हैं और यदि कोई नागरिक याचिका निर्धारित सीमा को पार कर जाती है, तो नागरिक याचिका को संसद में चर्चा और बहस के लिए अनिवार्य रूप से लिया जाना चाहिए।'

दलील में तर्क दिया गया कि लोगों द्वारा वोट डालने और संसद के साथ-साथ राज्य विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने के बाद किसी और भागीदारी की कोई गुंजाइश नहीं है। इसमें कहा गया है, 'किसी भी औपचारिक तंत्र का पूर्ण अभाव है, जिसके द्वारा नागरिक कानून-निर्माताओं के साथ जुड़ सकते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा सकते हैं कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में बहस हो।'

सुखोई, राफेल सहित 45 लड़ाकू विमानों ने किया कर्तव्य पथ पर 'फ्लाई पास्ट'

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। गणतंत्र दिवस परेड का एक बड़ा रोमांच वायु सेना के जहाजों का फ्लाई पास्ट रहा। सुखोई और राफेल जैसे आधुनिकतम लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ पर बेहतरीन फॉरमेशन बनाते हुए नजर आए।

भारतीय वायु सेना के 45 विमानों, भारतीय नौसेना के एक और भारतीय सेना के चार हेलीकॉप्टरों द्वारा एक सांसों को थाम देने वाला एयर शो दिखाया। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड में मोटरसाइकिल प्रदर्शन का शो एक बड़ा आकर्षण रहा। राफेल, सुखोई, मिग जैसे विमानों ने कर्तव्य पथ के ऊपर, बाज, प्रचंड, तिरंगा, तंगैल, वजरंग, गरुड़, भीम, अमृत और त्रिशूल सहित विभिन्न रूपों को प्रदर्शित किया। आकाश में अलग-अलग फॉरमेशन बनाते हुए इन लड़ाकू विमानों ने आसमान में अपनी गर्जना और प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया। इसके साथ ही वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान द्वारा समापन वर्टिकल चार्ली युद्धाभ्यास किया गया।

फ्लाई पास्ट ग्रैंड फिनाले और परेड का सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित खंड, फ्लाई पास्ट था। भारतीय वायु सेना के 45 विमानों में राफेल, मिग-29, एसयू-30, सुखोई-30 एमकेआई जगुआर, सी-130, सी-17, डोर्नियर, डकोटा, एलसीएच प्रचंड, अपाचे, सारंग और एईडब्ल्यूएंडसी जैसे पुराने और आधुनिक विमान व हेलीकॉप्टर कर्तव्य पथ पर आयोजित फ्लाई पास्ट में शामिल हुए। समारोह का समापन राष्ट्रगान और तिरंगे के गुब्बारे छोड़े जाने के साथ हुआ।

गणतंत्र दिवस परेड में मोटरसाइकिल प्रदर्शन का शो एक बड़ा आकर्षण रहा। यहां कॉख़र्स ऑफ सिग्नल की डेयर डेविल्स टीम द्वारा एक रोमांचक मोटरसाइकिल प्रदर्शन किया। उन्होंने मोटरसाइकिल पर विभिन्न प्रकार की संरचनाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसमें मोटरसाइकिल पर योग का प्रदर्शन और मोटरसाइकिल पर ऊंची सीढ़ी लगाकर राइडिंग करना भी शामिल रहा।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुए मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन, नाग मिसाइल सिस्टम (एनएएमआईएस), बीएमपी-2 एसएआरएटीएच का इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल, के-9 वज्र-ट्रैक्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर गन, ब्रह्मोस मिसाइल, 10 मीटर शॉर्ट स्पैन ब्रिज, मोबाइल माइक्रोवेव नोड और मैकेनाइज्ड कॉलम में मोबाइल नेटवर्क सेंटर और आकाश (नई पीढ़ी के उपकरण) मुख्य आकर्षण रहे।

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट, पंजाब रेजिमेंट, मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट, डोगरा रेजिमेंट, बिहार रेजिमेंट और गोरखा ब्रिगेड सहित सेना की कुल छह टुकड़ियां शानदार परेड करते हुए सलामी मंच से आगे बढ़ी। खास बात यह रही कि इस बार के गणतंत्र दिवस समारोह में अग्निवीर भी शामिल हुए।

इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) मार्चिंग दल का नेतृत्व डिप्टी कमांडेंट रोहित सिंह ने किया। आईसीजी, 157 जहाजों और 78 विमानों के साथ, समुद्र में और समुद्र के खतरों का मुकाबला करने में सक्षम है। आईसीजी की निरंतर निगरानी ने इसकी स्थापना के बाद से 14,546 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के प्रतिबंधित पदार्थ की जब्ती की है, जिसमें अकेले 2022 में 2,620 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसकी पहुंच और क्षमता का प्रदर्शन 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में दूर-दराज के 100 आबाद और गैर-आबादी वाले द्वीपों पर ध्वजारोहण के दौरान किया गया।

साथ ही कर्तव्य पथ पर मार्च करते हुए सहायक कमांडेंट पूनम गुप्ता के नेतृत्व में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सहायक सुरक्षा आयुक्त सौरव कुमार के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल और सहायक पुलिस आयुक्त श्वेता एस सुगथन के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस के दल थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ऊंट टुकड़ी डिप्टी कमांडेंट मनोहर सिंह खीची की कमान में सलामी मंच से मार्च पास्ट किया। पहली बार महिला ऊंट सवार परेड में भाग लिया, जो विभिन्न क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण का प्रदर्शन करती हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) लड़कों की मार्चिंग टुकड़ी, जिसमें 148 वरिष्ठ डिवीजन कैडेट शामिल हैं, का नेतृत्व महाराष्ट्र निदेशालय के वरिष्ठ अवर अधिकारी पुजारी शिवानंद ने किया। ओडिशा निदेशालय की वरिष्ठ अवर अधिकारी सोनाली साहू सभी 17 निदेशालयों से लिए गए 148 वरिष्ठ डिवीजन कैडेटों वाली एनसीसी गर्ल्स मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व किया।

चालू खाता घाटा 'पूरी तरह से प्रबंधनीय' : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि चालू खाता घाटा 'पूरी तरह से प्रबंधनीय' है और व्यवहार्यता के मापदंडों के भीतर है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मौजूदा अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय माहौल में भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है, जो अपने मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल से ताकत हासिल कर रही है।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 22वें फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया- प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के दुबई में हुए वार्षिक सम्मेलन में मुख्य भाषण देते हुए कहा, 'हमारी वित्तीय प्रणाली मजबूत और स्थिर बनी हुई है। बैंक और कॉर्पोरेट संकट से पहले की तुलना में अधिक स्वस्थ हैं। बैंक ऋण दोहरे अंकों में बढ़ रहा है। भारत को व्यापक रूप से एक अन्यथा उदास दुनिया में एक उज्जवल स्थान के रूप में देखा जाता है। हमारी मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है, हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति स्थिर और उच्च बनी हुई है।'

उन्होंने कहा, 'वैश्विक मांग में कमी के बावजूद व्यापारिक निर्यात पर दबाव पड़ने के बावजूद भारत का सेवाओं का निर्यात और प्रेषण मजबूत बना हुआ है। सेवाओं और प्रेषण के तहत शुद्ध संतुलन एक बड़े अधिशेष में बना हुआ है, जो आंशिक रूप से व्यापार घाटे की भरपाई करता है।'

दास ने कहा कि चालू वित्तवर्ष की पहली छमाही के दौरान औसत चालू खाता घाटा और जीडीपी का अनुपात 3.3 प्रतिशत रहा, जबकि धीमी मांग का भार वस्तु निर्यात पर पड़ रहा है। सेवाओं और प्रेषण के तहत शुद्ध शेष एक बड़े अधिशेष में रहता है, आंशिक रूप से व्यापार घाटे को ऑफसेट करता है।

दास ने आगे कहा कि कई झटकों के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2023 में महत्वपूर्ण रूप से अनुबंधित करने का अनुमान है, साथ ही यह भी जोड़ा कि विकास और मुद्रास्फीति दोनों के मामले में वैश्विक अर्थव्यवस्था हम से पीछे प्रतीत होता है।

हाल ही में, विभिन्न देशों में कोविड-संबंधी प्रतिबंधों में कुछ कमी और मुद्रास्फीति में कमी के साथ, हालांकि अभी भी ऊंचा है, केंद्रीय बैंकों ने कम दर वृद्धि या ठहराव की ओर एक धुरी के रूप में दिखाई देना शुरू कर दिया है। साथ ही, वे मुद्रास्फीति को लक्ष्य के करीब लाने के अपने संकल्प को जोरदार ढंग से दोहराते रहे हैं।'

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अनुमान कुछ महीने पहले गंभीर और अधिक व्यापक मंदी के मुकाबले नरम मंदी की ओर बढ़ रहे हैं।

वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला के झटकों से निपटने के लिए द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और इस तरह के और समझौते प्रगति पर हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि शुद्ध एफडीआई प्रवाह मजबूत बना हुआ है और विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह जुलाई 2022 से समय-समय पर रुक-रुक कर बहिर्वाह के साथ फिर से शुरू हो गया है।

दास ने कहा, 'विदेशी मुद्रा भंडार का आकार आरामदायक है और 21 अक्टूबर, 2022 को 524 अरब डॉलर से बढ़कर 13 जनवरी, 2023 तक 572 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा, भारत का बाहरी ऋण अनुपात अंतर्राष्ट्रीय मानकों से कम है। इसने रिजर्व बैंक को इससे बचने में सक्षम बनाया है। पूंजी प्रवाह को नियंत्रित करने के उपाय और महत्वपूर्ण पूंजी

बहिर्वाह के एपिसोड के दौरान भी घरेलू मुद्रा को आगे अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के लिए कदम उठाएं।'

दास ने रुपये की लगातार गिरती गति का उल्लेख करते हुए कहा कि अस्थिरता के मामले में मुद्रा का प्रदर्शन 'प्रभावशाली' बना हुआ है।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए रुपये की एक महीने की निहित अस्थिरता 10 अक्टूबर, 2008 को वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान 25 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई और 29 अगस्त, 2013 को टेपर टैंट्रम अवधि के दौरान 20 प्रतिशत हो गई। कोविड-19 के दौरान महामारी, हालांकि, निहित अस्थिरता 24 मार्च, 2020 को 10 प्रतिशत पर पहुंच गई और उसके बाद युद्ध से जुड़ी अनिश्चितताओं और प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक सख्ती के बावजूद अच्छी तरह से स्थिर रही।'

दास ने वैश्विक परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी झटकों और अनिश्चितता से जूझ रही है। वित्तीय बाजार अस्थिर बने हुए हैं और भू-राजनीतिक स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य, ऊर्जा और कमोडिटी की कीमतों में कमी आई है, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है। मुद्रास्फीति सभी देशों में उच्च और व्यापक आधार पर बनी हुई है। आईएमएफ ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक तिहाई से अधिक में संकुचन का अनुमान लगाया है।

नए विमानों के 'ऐतिहासिक ऑर्डर' को अंतिम रूप दे रही एयर इंडिया : सीईओ

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को घोषणा की कि कंपनी अपने बेड़े को मजबूत करने के लिए नए विमानों के 'ऐतिहासिक आदेश' को अंतिम रूप दे रही है।

टाटा समूह ने एयर इंडिया के अधिग्रहण का एक वर्ष पूरा कर लिया है। एयर इंडिया के कर्मचारियों को भेजे संदेश में सीईओ ने कहा, 'भविष्य के विकास को गति देने के लिए नए विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को अंतिम रूप दिया जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'यहां तक कि जब हम एयर इंडिया को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं, तब भी हम अन्य महत्वाकांक्षी कार्रवाइयों से पीछे नहीं हटे हैं, जैसे एयर एशिया के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस का विलय, या एयर इंडिया के साथ विस्तारा, या एक नए इन्फोटेक सेंटर, या एक एविएशन अकादमी की स्थापना शुरू करना और यह हमारे बहुचर्चित अल्पकालिक और मध्यम अवधि के बेड़े के विस्तार का उल्लेख नहीं है।'

उद्योग के सूत्रों और रिपोर्टों के अनुसार, ऑर्डर में 190 बोइंग 737 मैक्स विमान, 20 बोइंग 787 और 10 बोइंग 777 विमान शामिल हो सकते हैं।

सूत्रों ने कहा कि यह कुल 495 जेट के ऑर्डर का लगभग आधा है, जिसकी एयरलाइन ने आने वाले हफ्तों में विमानन बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने की योजना बनाई है।

टाटा समूह ने एक साल पहले 27 जनवरी, 2022 को कर्ज से लदी एयर इंडिया को केंद्र सरकार से खरीद लिया था, जिससे एक नई यात्रा की शुरुआत हुई।

नवंबर 2022 में, सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) और टाटा संस ने एयर इंडिया और विस्तारा को विलय करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें एसआईए ने लेनदेन के हिस्से के रूप में एयर इंडिया में 250 मिलियन डॉलर का निवेश किया।

एकीकरण के साथ, एयर इंडिया पूर्ण सेवा और कम लागत वाली यात्री सेवाओं दोनों को संचालित करने वाला एकमात्र भारतीय एयरलाइन समूह बन गया।

बजट में मध्यम वर्ग को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंतिम पूर्ण बजट में वित्त मंत्रालय मध्यम वर्ग को लाभ देने वाले प्रस्तावों पर विचार कर रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी 2023 को लोकसभा में बजट पेश करेंगीं। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह अंतिम पूर्ण बजट होगा

सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय विभिन्न सरकारी विभागों की तरफ से भेजे गए ऐसे प्रस्तावों पर विचार कर रहा है जिनसे मध्यम वर्ग के बड़े. भाग को लाभ पहुंचे। इसकी घोषणा बजट में की जा सकती है। सरकार ने अभी तक आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं की है जिसे 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने उस सरकार का पहला बजट पेश करते हुए तय की थी। इसके साथ ही 2019 से मानक कटौती 50,000 रुपये बनी हुई है। कई विशेषज्ञों

का मानना है कि महंगाई के उच्च स्तर में वेतनभोगी मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए आयकर छूटसीमा और मानक कटौती बढ़ाने की जरूरत है।

वित्त मंत्री के हाल ही में दिए एक बयान ने मध्यम वर्ग में उम्मीद बढ़ा दी थी कि आगामी बजट में उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। वित्त मंत्री ने कहा था कि वे इस वर्ग पर मौजूद दबाव से अवगत हैं।

उन्होंने कहा था मैं भी मध्यम वर्ग से हूं इसलिए मैं इस वर्ग पर दबाव को समझती हूं। मैं खुद को मध्यम वर्ग के साथ मानती हूं इसलिए मैं जानती हूं।' सीतारमण ने कहा था मैं इन समस्याओं को समझती हूं। सरकार ने उनके लिए बहुत किया है और लगातार कर रही है।'

छूट सीमा और मानक कटौती में फेरबदल करने के अलावा वित्त मंत्रालय 80सी के अंतर्गत निवेश छूट सीमा बढाने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहा है। इसमें जीवन बीमा एफड़ी बॉन्ड आवासीय और पीपीएफ व अन्य सेवाएं आती हैं। फिलहाल इसके तहत 1.50 लाख रुपये तक के निवेश पर छूट है। सूत्रों ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए भुगतान पर भी विचार किया जा रहा है।

इस साल 5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था होगी : संयुक्त राष्ट्र अर्थशास्त्री

संयुक्त राष्ट्र, 27 जनवरी (एजेन्सी)। इस साल जब विश्व अर्थव्यवस्था के मात्र 1.9 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है, तब 5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज अथव्यवस्था होगी।

यह बात वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अधिकारी ने कही।

भारत की अध्यक्षता वाली बड़ी विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह प्रमुख हामिद राशिद ने कहा, वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा अगले वर्ष के लिए भारत के लिए 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगा रहा है, जो जी20 के अन्य सदस्य देशों के सापेक्ष बहुत अधिक है।

इस बीच नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के आर्थिक प्रदर्शन का श्रेय उसके नेतृत्व को दिया।

मुर्मू ने अपने गणतंत्र दिवस के भाषण में कहा, सरकार के समय पर और सक्रिय हस्तक्षेप के कारण भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। विशेष रूप से सरकार की आत्मानिर्भर भारत की पहल ने लोगों के बीच शानदार प्रतिक्रिया हासिल की।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए राशिद ने कहा कि भारत का विकास संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक अच्छा कदम है।

संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख आर्थिक रिपोर्ट डब्ल्यूईएसपी के अनुसार विकास दर के मामले में चीन दूसरे स्थान पर चीन में इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 4.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 0.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जबकि समग्र रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए रिपोर्ट में मई में अनुमानित विकास दर में 0.2 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत और इस वर्ष 1.6 प्रतिशत की कटौती की गई है। अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत की कमी की उम्मीद है।

राशिद ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए गिरती बेरोजगारी, मुद्रास्फीति में कमी और कम आयात बिल को जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर पिछले चार वर्षों में 6.4 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि घरेलू मांग काफी मजबूत रही है।

डब्ल्यूएसपी ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 2022 में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नौकरियों की वृद्धि हुई।

राशिद ने कहा, मुद्रास्फीति का दबाव भी काफी हद तक कम हो गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक को मौद्रिक सख्ती पर आक्रामक नहीं होना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भारत को कम आयात से भी लाभ हुआ है, विशेष रूप से ऊर्जा आयात लागत, जो पिछले वर्षों की तुलना में कम रही है।

राशिद ने कहा, मुझे लगता है कि यह भारत के लिए एक सतत विकास दर है, क्योंकि भारत में भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी में जी रहे हैं। इसलिए अगर भारत निकट अवधि में इस विकास दर को बनाए रख सकता है, तो यह एक आम लोगों के लिए अच्छा होगा।

उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य रूप से वैश्विक स्थिति से उत्पन्न होने वाले दो जोखिमों की ओर इशारा किया।

एक उच्च ब्याज दरों से है, जो ऋण सेवा लागत को बढ़ा देगा, जो बजट के 20 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

उन्होंने कहा, यह काफी उच्च ऋण सेवा लागत है और इससे विकास की संभावना पर कुछ असर पड़ेगा।

दूसरा जोखिम वैश्विक बाहरी मांगों की कमी से है।

रशीद ने कहा कि अगर यूरोप और अमेरिका में विकास दर कम होगा, तो इसका प्रभाव वैश्विक निर्यात पर पड़ेगा। इससे विश्व अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है।

उन्होंने कहा, लेकिन कुल मिलाकर हमारा मानना है कि निकट भविष्य में मजबूत घरेलू मांग को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में होगी। रिपोर्ट में समग्र रूप से दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 5.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

वित्तवर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में आधार ई-केवाईसी लेनदेन 18.53 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। आधार आधारित ई-केवाईसी को अपनाने में लगातार प्रगति देखी गई है। वित्तवर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में आधार का उपयोग करके 84.8 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी लेनदेन किए गए थे, चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की तुलना में 18.53 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। अकेले दिसंबर में आधार का उपयोग करते हुए 32.49 करोड़ ई-केवाईसी लेनदेन किए गए, जो पिछले महीने की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है।

आधार ई-केवाईसी सेवा तेजी से बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं के लिए पारदर्शी और बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करके और व्यापार करने में आसानी में मदद करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में आधार ई-केवाईसी लेनदेन की संख्या 23.56 करोड़ थी और नवंबर में इस तरह के लेनदेन 28.75 करोड़ हो गए, दिसंबर में आगे बढ़ने से पहले यह अर्थव्यवस्था में इसके बढ़ते उपयोग और उपयोगिता को दर्शाता है।

दिसंबर 2022 के अंत तक आधार ई-केवाईसी लेनदेन की कुल संख्या 1,382.73 करोड़ हो गई है। आधार धारक की स्पष्ट सहमति के बाद ही ई-केवाईसी लेनदेन किया जाता है और उसके बाद केवाईसी के लिए भौतिक कागजी कार्रवाई और व्यक्तिगत रूप से सत्यापन की जरूरत नहीं रहती।

अधिकारियों ने कहा कि आधार प्रमाणीकरण लेनदेन भी निवासियों के बीच गोद लेने और उपयोग में वृद्धि देख रहे हैं। अकेले दिसंबर महीने में, 208.47 करोड़ आधार प्रमाणीकरण लेनदेन किए गए, जो पिछले महीने की तुलना में लगभग 6.7 प्रतिशत अधिक है।

इनमें से अधिकतर मासिक प्रमाणीकरण बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट का उपयोग करके किए गए थे, इसके बाद जनसांख्यिकीय और ओटीपी प्रमाणीकरण किए गए थे।

दिसंबर 2022 के अंत तक लगभग 8,829.66 करोड़ आधार प्रमाणीकरण लेनदेन किए गए। यह दिखाता है कि कैसे आधार वित्तीय समावेशन, कल्याणकारी वितरण और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठाने में बढ़ती भूमिका निभा रहा है।

चाहे वह पहचान सत्यापन के लिए ई-केवाईसी हो, प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण के लिए आधार-सक्षम डीबीटी, अंतिम मील बैंकिंग के लिए एईपीएस, या प्रमाणीकरण, आधार, सुशासन का डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित देश में 1,100 से अधिक सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को आधार का उपयोग करने के लिए अधिसूचित किया गया है।

डिजिटल आईडी केंद्र और राज्यों में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को लक्षित लाभार्थियों को कल्याणकारी सेवाओं की दक्षता, पारदर्शिता और वितरण में सुधार करने में मदद करता है।

घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 874 अंक टूटा, निफ्टी 17600 के पास पहुंचा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार घरेलू शेयर बाजार के लिए ब्लैक फ्राइडे साबित हुआ। इस दौरान सेंसेक्स में 874 अंकों की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 50 शेयरों का निफ्टी इंडेक्स 287 अंकों की गिरावट के साथ 17604 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। शुक्रवार को बैंक निफ्टी में 1286 अंकों की गिरावट के साथ 40361 अंकों के लेवल पर क्लोजिंग हुई। बाजार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार इस दौरान निवेशकों के करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये डूब गए। सेंसेक्स में पिछले दोनों दिनों के कारोबारी सेशन में 1648 अंकों की गिरावट दर्ज की जा चुकी है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के असर से अदाणी ग्रुप में शेयरों में गिरावट का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। इससे दलाल स्ट्रीट में तनाव का माहौल बन गया। दूसरी ओर भारत के केंद्रीय बजट और यूएस फेड मीटिंग के परिणामों के पहले हफ्ते में इंडिया वीआईएक्स बढ़कर 18 प्रतिशत पर पहुंच गया। माना जा रहा है कि शुक्रवार के दिन बाजार में निवेशकों को करीब 6.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 269.9 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

बाजार में गिरावट की सबसे ज्यादा मार बैंकिंग सेक्टर के शेयरों को झेलनी पड़ी। निफ्टी बैंक में करीब 3.1 प्रतिशत तक कमजोर हो गया। यह 1300 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। पीएसयू बैंक के शेयर जो पिछले कई महीनों में शानदार प्रदर्शन कर रहे थे 7 प्रतिशत तक लुढ़क गए। निवेशकों को यह चिंता सताने

लगी है कि अदाणी समूह के बारे में हुए खुलासे बैंकिंग सेक्टर के शेयरों पर क्या असर पड़ेगा? वैश्विक बाजारों में तेजी के विपरीत भारतीय बाजार में शुक्रवार को जमकर बिकवाली की गई। वैश्विक बाजार जिनमें वॉल स्ट्रीट और एशियाई बाजार शामिल हैं इस दौरान नौ महीनों के उच्चतम स्तर पर बंद हुए।

हिंडनबर्ग की ओर से जारी रिपोर्ट का समूह के शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा। समूह के सभी दस शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। फोर्ब्स के रियलटाइम इंडेक्स के अनुसार समूह के मुखिया गौतम अदाणी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में चौथे स्थान से फिसलकर सातवें नंबर पर आ गए हैं। शुक्रवार को अदाणी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 18.5 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई और यह 2762.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा अदाणी टोटल गैस के शेयरों में 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। अदाणी पावर के शेयर 5 प्रतिशत, अदाणी विल्मार के शेयर 5 प्रतिशत और एनडीटीवी के शेयर 4.99 प्रतिशत की गिरावट दर्ज के साथ लोअर सर्किट लगाकर बंद हुए।

अदाणी की एसीसी और अंबुजा की जांच करेगी सेबी, समूह के ऊपर 1.9 लाख करोड़ रुपये का कर्ज

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का मामला अदाणी समूह के लिए अब और गंभीर होता जा रहा है। खबर है कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समूह की एसीसी और अंबुजा सीमेंट की जांच करने वाली है। इन दोनों कंपनियों को स्विटजरलैंड की होल्सिम से मई, 2022 में अदाणी ने खरीदा था। इसमें उपयोग किए ऑफशोर स्पेशल पर्पज वेहिकल (एसपीवी) की जांच हो सकती है। इसमें 17 ऑफशोर एसपीवी शामिल थे।

हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अदाणी समूह ने उस समय इसकी पूरी जानकारी सेबी को दी थी। लेकिन हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अब फिर से इसकी जांच की जा सकती है। जुलाई में सेबी ने मॉरीशस के फंडों की जांच शुरू की थी। इनकी अदाणी समूह की 6 कंपनियों में अच्छी खासी हिस्सेदारी है।

उधर, ब्रोकरेज हाउस जेफरीज और सीएलएसए ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें उन्होंने कहा कि कंपनी पर जो भी कर्ज हैं, वह जोखिम में नहीं हैं और बैलेंसशीट के औसत पर हैं। इसलिए कोई डाउनग्रेड जोखिम नहीं है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह के ऊपर कुल 1.9 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसमें से 60 हजार करोड़ सीमेंट कंपनियों की खरीदी के लिए लिया गया। इस पूरे कर्ज में से करीब 33 फीसदी घरेलू बैंकों का है। बाकी विदेशी बैंक और बॉन्ड का है। अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और अदाणी पोर्ट पर ही सबसे ज्यादा एक लाख करोड़ रुपये के करीब कर्ज है।

हिंडनबर्ग ने कहा कंपनी पर बहुत ज्यादा कर्ज का जोखिम है और साथ ही इसके शेयरों का मूल्यांकन 85 फीसदी ज्यादा है। हालांकि अदाणी समूह ने बुधवार को इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। बृहस्पतिवार को समूह ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की संभावना तलाशने की बात कही थी।

शेयरों की हो रही जमकर पिटाई से अदाणी समूह बाजार पूंजीकरण के लिहाज से अब चौथे नंबर पर खिसक गया है। शुक्रवार को इसकी 11 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 15.02 लाख करोड़ रुपये रहा। मंगलवार को यह 19.20 लाख करोड़ रुपये था। यानी दो दिनों में इसमें 2.18 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से पहले नंबर पर अब टाटा समूह है। इसका पूंजीकरण 21.58 लाख करोड़ रुपये है। 16.09 लाख करोड़ रुपये के साथ रिलायंस समूह दूसरे पर और 15.54 लाख करोड़ रुपये के साथ एचडीएफसी समूह तीसरे स्थान पर है।

17 सितंबर को अदाणी समूह का कुल पूंजीकरण 21.99 लाख करोड़ रुपये था जबकि टाटा की कंपनियों को पूंजीकरण 20.70 लाख करोड़ रुपये रहा। तीसरे नंबर पर मुकेश अंबानी की रिलायंस समूह थी, जिसका पूंजीकरण 17.22 लाख करोड़ रुपये है।

टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

पॉचेफस्ट्रूम, 27 जनवरी (एजेन्सी)। महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। भारत इस विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम है। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच के विजेता से होगा। इस मैच में जीत के साथ भारतीय टीम पहला महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप अपने नाम करना चाहेगी।

सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 108 रन का लक्ष्य रखा था। न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 35 रन ख्रिलमर ने बनाए थे। इसके जवाब में भारत ने श्वेता सहरवात के नाबाद 61 रन की बदौलत 14.2 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के शुरुआत बेहद खराब रही। तीन रन के स्कोर पर टीम का पहला विकेट गिरा और पांच रन के स्कोर पर दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट गईं। एना ब्राउनिंग ने एक और एमा मैक्लॉयड ने दो रन बनाए। इसके बाद जॉर्जिया ख्रिलमर ने एक छोर संभाला और इसाबेल ने 22 गेंद में 26 रन बनाकर कीवी टीम की मैच में वापसी कराई। कप्तान शार्प भी 13 रन बनाकर आउट हो गईं और 74 रन पर न्यूजीलैंड की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद एमा इरविन तीन, केट इरविन दो, लॉगनेबर्ग चार और नताशा तीन रन बनाकर आउट हुईं। इस बीच ख्रिलमर भी तेजी से रन बनाने के चक्कर में 32 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हो गईं।

नाइट ने 12 रन की पारी खेल न्यूजीलैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। अंत में न्यूजीलैंड की टीम नौ विकेट खोकर 107 रन बनाने में सफल रही। भारत के लिए परशवी चोपड़ा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। तितास साधू, मन्नत कश्यप, शेफाली वर्मा और अर्चना देवी को एक-एक विकेट मिला।

108 रन के छोटे स्कोर का पीछा करते हुए भारत ने एक बार फिर तेज शुरुआत की, लेकिन कप्तान शेफाली नौ गेंद में 10 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि, श्वेता ने सौम्या तिवारी के साथ मिलकर तेजी से रन बनाना जारी रखा। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। हालांकि, सौम्या भी 26 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन तब तक भारतीय टीम जीत के करीब पहुंच चुकी थी। श्वेता ने त्रिशा के साथ मिलकर भारत को जीत की दहलीज के पार पहुंचाया। श्वेता सहरावत ने इस टूर्नामेंट कमाल की बल्लेबाजी की है। एक बार फिर उन्होंने बेहतरीन पारी खेली और भारत को जीत दिलाई। उन्होंने 45 गेंद में 10 चौकों की मदद से नाबाद 61 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए दोनों विकेट एना ब्राउनिंग ने लिए।

इस जीत के साथ ही भारतीय लड़कियों ने पुरुष टीम को मिली हार का बदला भी ले लिया है। न्यूजीलैंड ने हाल ही में हॉकी विश्व कप के करो या मरो के मुकाबले में भारत को हराकर विश्व कप से बाहर कर दिया था। अब भारतीय लड़कियों ने न्यूजीलैंड को विश्व कप से बाहर कर दिया है। इसके अलावा न्यूजीलैंड की टीम ने 2021 टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी भारत को हराया था। वहीं, भारत ने अब तक अजेय रहने वाली कीवी टीम को आठ विकेट से रौंदा है।

गेंदबाजी फेज, नहीं चले बल्लेबाज

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में हारी टीम इंडिया

रांची, 27 जनवरी (एजेन्सी)। न्यूजीलैंड ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को 21 रन से हरा दिया। रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पहली बार भारत को टी20 मुकाबले में हार मिली है। डेरिल मिचेल और डेवोन कॉनवे की अर्धशतकीय पारियों से न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत की बल्लेबाजी फेल रही और टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी। वॉशिंगटन सुंदर ने फिफ्टी लगाने के साथ ही 2 विकेट भी लिये, लेकिन यह भारत को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला करने के बाद भारतीय गेंदबाज सही दिशा में गेंदबाजी करने में नाकाम रहे, जिससे कॉनवे और फिल ऐलन ने न्यूजीलैंड को तेज शुरुआत दिलायी। दोनों ने 4.2 ओवर में 43 रन की साझेदारी कर डाली जिसमें ऐलन ज्यादा आक्रामक रहे। उन्होंने 23 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्का जड़ा। वॉशिंगटन सुंदर के पांचवें ओवर की पहली गेंद पर ऐलन ने छक्का लगाया लेकिन फिर से ऐसा करने के चक्कर में सूर्यकुमार यादव को कैच थमा बैठे। सुंदर ने उसी ओवर में मार्क चैपमैन (शून्य) के विकेट के साथ मैच में भारत की वापसी करायी।

कोन्वे ने उमरान के खिलाफ दो चौके और छक्का लगाकर टीम से दबाव हटा दिया। न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट पर 79 रन बना लिये थे। कुलदीप की गुगली को पढ़ने में हालांकि ग्लेन फिलिख्रस नाकाम रहे और डीप मिडविकेट पर सूर्यकुमार को कैच थमा बैठे। इसके बाद डेरिल मिचेल कॉनवे का साथ देने पहुंचे। कॉनवे ने 16वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही अर्शदीप की गेंद पर हुड्डा को कैच देकर पवेलियन लौट गये। इशान किशन ने इसके बाद माइकल ब्रेसवेल (एक रन) को रन आउट किया जबकि शिवम मावी की गेंद पर मिचेल सैंटनर ने राहुल त्रिपाठी को कैच थमा दिया। भारतीय टीम के लिए आखिरी ओवर महंगा रहा जिसमें अर्शदीप ने 27 रन खर्च किये।

मिचेल ने 30 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और पांच छक्के लगाये जिसमें उन्होंने आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह के खिलाफ हैट्रिक छक्का जड़ने के बाद चौका लगाया। न्यूजीलैंड ने इस ओवर से 27 रन बटोरे। वनडे सीरीज के तीसरे मैच में 138 रन की पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज कॉनवे ने शानदार लय जारी रखते हुए 35 गेंद में सात चौके और एक छक्का की मदद से 52 रन बनाये।

भारतीय टीम ने पहली चार ओवर में ही तीन विकेट भी खो दिये थे। ईशान किशन (4) दूसरे, राहुल त्रिपाठी (0) तीसरे और शुभमन गिल चौथे ओवर में आउट हो गए। वनडे सीरीज में कमाल करने वाले गिल सिर्फ 7 रन बनाकर ही आउट हो गए। उनका विकेट मिचेल सेंटनर ने लिया। 15 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने पारी संभाली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी हुई।

सूर्या फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 34 गेंदों पर 47 रन बनाकर ईश सोढ़ी का शिकार बने गए। अपनी पारी में सूर्या ने 6 चौके और 2 छक्के मारे। इसके बाद कप्तान हार्दिक भी 21 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। निचले क्रम में वॉशिंगटन सुंदर ने लड़ाई की लेकिन यह काफी नहीं था। उनके बल्ले से 28 गेंदों पर 50 रनों की पारी निकली। यह उनकी टी20 इंटरनेशनल में पहली फिफ्टी है। दीपक हुड्डा 10 और शिवम मावी 2 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान सेंटनर ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट लिये। ब्रेसवेल को भी दो विकेट मिले।

अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में 3 रन से हारा ऑस्ट्रेलिया

पोचेफस्ट्रूम (साउथ अफ्रीका), 27 जनवरी (एजेन्सी)। महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2023 की फाइनलिस्ट टीमों का फैसला हो गया है। भारत की महिला टीम ने पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया था। दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की टक्कर इंग्लैंड से थी। इस मैच को इंग्लैंड ने 3 रनों की रोमांचक जीत दर्ज की। अब भारत और इंग्लैंड के बीच पहले महिला अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

महिला अंडर-19 वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड का यह मैच पोचेफस्ट्रूम में ही खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय अनुसार शाम 5 बजकर 15 मिनट पर होगी। टूर्नामेंट के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले यहीं हुए थे। पिछले साल पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भी भारत और इंग्लैंड के बीच ही खेला गया था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की महिला अंडर-19 टीम ने 99 रन बनाए। 20वें ओवर की 5वीं गेंद पर टीम की पारी सिमट गई। एलेक्स स्टोनहाउस ने टीम के लिए सबसे बड़ी 25 रनों की पारी खेली। कप्तान ग्रेस स्क्रीवेन्स ने 20 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैगी क्लार्क, इल्ला वायवार्ड और सिएना गिंगर ने 3-3 विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया की टीम 19वें ओवर में 96 रनों पर आउट हो गई।

भारत ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया था। पहले खेलते हुए कीवी महिला अंडर-19 की टीम 107 रन बना पाई। भारत ने मैच को 15वें ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्वेता सेहरावत ने 61 रन बनाए थे।

खिताबी सपना चूर होने के बाद फॉर्म में आई टीम इंडिया, जापान को एक-दो नहीं, 8-0 से रौंदा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। हॉकी वर्ल्ड कप जीतने का मौका गंवा चुकी टीम इंडिया ने जापान के खिलाफ गजब का प्रदर्शन किया। उसने मैच में एकतरफा जापान को 8-0 से रौंद दिया। जापानी टीम भारत के आगे किसी भी मामले में नहीं टिकी। उसका डिफेंस बेहद कमजोर रहा तो फॉरवर्ड भारतीय किले को भेदने में नाकाम रहा। दूसरी ओर, हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। भारत की जीत में मंदीप, अभिषेक, विवेक, हरमनप्रीत, मनप्रीत और सुखजीत सिंह छाए।

टूर्नामेंट के खिताबी दौड़ से बाहर होने के बाद आलोचनाओं से घिरे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच में आखिरकार अपनी ड्रैग फ्लिक से अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्होंने गोल दागने के बाद जश्न नहीं मनाया।

भारत को क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड से हार मिली थी, जिसके बाद वह खिताबी रेस से बाहर हो गया था। हरमनप्रीत (46वें और 59वें मिनट) ने चौथे क्वॉर्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे।

वहीं, 23 वर्षीय अभिषेक ने 36वें और 44वें मिनट में फील्ड गोल किए, जबकि मनदीप सिंह (33वां), विवेक सागर प्रसाद (40वां), मनप्रीत सिंह (59वां) और सुखजीत भारत के लिए सिंह (60वें) ने एक और गोल किया। बिना गोल के पहले हाफ के बाद भारत ने तीसरे और चौथे क्वॉर्टर में 4-4 गोल दागे। क्लासिफिकेशन मैच देखने के लिए बिरसा मुंडा स्टेडियम में जबरदस्त भीड़ थी।

घरेलू टीम को 12वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन हरमनप्रीत दोनों में गोल नहीं कर सके। राज कुमार पाल ने 14वें मिनट में एक शक्तिशाली रिवर्स हिट मारा, लेकिन लक्ष्य चूक गए। अभिषेक के पास पहले क्वॉर्टर में कुछ सेकंड बचे होने का सुनहरा मौका था लेकिन जापानी गोलकीपर योशिकावा ताकाशी ने उनके शॉट को ब्लॉक कर दिया। जापान ने भी कुछ मौके गंवाए। भारत ने तीसरा क्वॉर्टर शुरू होने के तीन मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। टूर्नामेंट के अपने पहले गोल के लिए अमित रोहिदास के पुश को मनदीप सिंह ने गोल में बदल दिया।

तीन मिनट बाद अभिषेक ने इसे 2-0 कर दिया, क्योंकि विवेक सागर प्रसाद के पास से उनका रिवर्स स्वीप जापानी गोलकीपर को छकाते हुए गोल पोस्ट में समा गया। इसके बाद तो भारतीय सूरमाओं की स्टिक से गोल की बरसात हुई और जापानी टीम पूरी तरह बैकफुट पर नजर आई।

नोवाक जोकोविच 10वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में, ग्रीस के खिलाड़ी से मिलेगी चुनौती

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेन्सी)। सर्बिया के चौथे वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने गैर वरीय अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल पर 7-5, 6-1, 6-2 की जीत से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना फाइनल में रविवार को तीसरे वरीय स्टेफानोस सितसिपास के सामने होंगे। जोकोविच इस तरह मेलबर्न पार्क में 10वीं चैम्पियनशिप और 22वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से महज एक मैच दूर हैं। नडाल के भी 22 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में नोवाक जोकोविच की यह लगातार 27वीं जीत है, जो 1968 से शुरू ओपन युग में सबसे लंबी है। पिछले साल वह वैक्सीन विवाद की वजह से टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने अभी तक टीकाकरण नहीं कराया है लेकिन इस साल पांबदियों में ढील दी गयी है। अब वह रविवार को सितसिपास के सामने होंगे जिन्होंने तीसरे सेट में दो मैच ख्रवाइंट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करके कारेन खाचनोव को चार सेट तक चले मैच में हराकर पहली बार मेलबर्न पार्क के फाइनल में जगह बनाई।

सितसिपास ने यह मैच आखिर में 7-6 (2), 6-4, 6-7 (6), 6-3 से जीता। फाइनल में विजेता कोई भी रहे, वो खिलाड़ी एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जायेगा। जोकोविच की इस शीर्ष स्थान पर वापसी होगी जिस पर वह किसी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा हफ्तों तक काबिज रह चुके हैं लेकिन सितसिपास अगर जीत जाते हैं तो वह पहले नंबर पर पर्दापण करेंगे। सितसिपास इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए थे। वह अपने करियर में दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे हैं।

वहीं जोकोविच ने कभी भी मेलबर्न में सेमीफाइनल या फाइनल मैच नहीं गंवाया है जिसमें उनका रिकॉर्ड परफेक्ट 19-0 है और उनके नौ खिताब ही पुरूष एकल का रिकॉर्ड है। अगर वह अपने सात विम्बडलन, तीन अमेरिकी ओपन और दो फ्रेंच ओपन में एक और आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जोड़ देते हैं तो वह सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीतने वाले रफेल नडाल के रिकॉर्ड (22) की बराबरी कर लेंगे। जोकोविच का सितसिपास के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 10-2 है जिसमें से उन्होंने पिछली नौ भिड़ंत में फतह हासिल की है।

सितसिपास इससे पहले ग्रैंडस्लैम फाइनल में 2021 फ्रेंच ओपन में पहुंचे थे जिसमें वह पहले दो सेट जीतने के बाद पांच सेट के मुकाबले में जोकोविच से हार गये थे। खाचनोव के खिलाफ पहले दो सेट जीतने के बाद सितसिपास तीसरे सेट में 5-4 के स्कोर पर मैच जीतने के लिए सर्विस कर रहे थे। उन्हें इस बीच दो मैच ख्रवाइंट मिले लेकिन वह इन दोनों को भुनाने में नाकाम रहे। खाचनोव ने इसके बाद सेट को टाईब्रेकर तक खींचा और फिर इसे अपने नाम करके अपनी उम्मीद भी बरकरार रखी। सितसिपास ने हालांकि चौथे सेट के शुरू में ही फिर से लय हासिल कर दी और 3-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और यह मैच अपने नाम किया।

अपना आखिरी ग्रैंडस्लैम मैच हारकर भावुक हुई सानिया मिर्जा, नहीं रोक पाईं आंसू

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेन्स)। भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिश्रित युगल में उपविजेता रहकर अपने ग्रैंड स्लैम करियर को अलविदा कहा।

सानिया और उनके भारतीय जोड़ीदार रोहन बोपन्ना को मेलबर्न पार्क में मिश्रित युगल फाइनल में ब्राजील की जोड़ी लुईसा स्टेफनी और राफेल माटोस से हार का सामना करना पड़ा।

सानिया और बोपन्ना को स्टेफनी और माटोस ने लगातार सेटों में 7-6(2), 6-2 से हराया। ब्राजीली जोड़ी अपना पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थी।

सानिया ने अपना पहला मेजर खिताब 2009 में मेलबर्न पार्क में महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाकर जीता था। उन्होंने अपने शानदार ग्रैंड स्लैम करियर का समापन मेलबर्न पार्क में ही किया।

सात साल बाद 2016 में सानिया ने स्विस स्टार मार्टिना हिंगिस के साथ जोड़ी बनायी और टॉप सीड खिलाड़ी के रूप में महिला युगल खिताब जीता।

ऑस्ट्रेलिया के बाहर सानिया ने चार और ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। उन्होंने हिंगिस के साथ 2015 में विम्बलडन और यूएस ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2012 में भूपति के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब और 2014 में ब्रूनो सोरेस के साथ यूएस ओपन का खिताब जीता।

भावुक नजर आ रही सानिया ने कहा, 'मेरे प्रोफेशनल करियर की शुरूआत 2005 में मेलबर्न में हुई थी जब मैं 18 साल की खिलाड़ी के रूप में तीसरे दौर में सेरेना विलियम्स से खेली।'

उन्होंने कहा, 'यह 18 साल पहले था। मेरे पास यहां बार-बार आकर खेलने और कुछ खिताब जीतने का मौका रहा। इस बार फाइनल में हम जीत नहीं पाए लेकिन अपने ग्रैंड स्लैम करियर को समाप्त करने के लिए इससे बेहतर स्थान और व्यक्ति और कोई नहीं था।'

सानिया ने साथ ही कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने बच्चे के सामने ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलूंगी लेकिन यह मेरे लिए बहुत खास मौका है कि मेरा चार वर्षीय बेटा और मेरे माता-पिता तथा रोहन की पत्नी यहां हैं।'

बोपन्ना 2017 के फ्रेंच ओपन खिताब के बाद अपना दूसरा मिश्रित युगल खिताब चाहते थे लेकिन उपविजेता रह जाने के बाद उन्होंने सानिया की जमकर तारीफ की।

बोपन्ना ने कहा, 'सानिया के साथ खेलना खास रहा। हमने अपनी पहली मिश्रित युगल जोड़ी तब बनायी थी जब वह 14 साल की थी और हमने खिताब जीता था।'

उन्होंने कहा, 'आज हमने रोड लेवर एरेना में अपना आखिरी मैच खेला। दुर्भाग्य से हम खिताब नहीं जीत पाए लेकिन सानिया को भारतीय टेनिस की सेवा करने और एक-दूसरे को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद।'

सानिया ने इस महीने के शुरू में घोषणा कर दी थी कि वह 19 फरवरी से शुरू होने वाली दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लेंगी।

पीएम द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' स्व-प्रबंधन पर एक मास्टरक्लास थी : अमित शाह

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाली बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर शुक्रवार को देश भर के विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा की।

इस संवाद कार्यक्रम का आयोजन राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में किया गया था। इसको लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम द्वारा परीक्षा पे चर्चा स्व-प्रबंधन पर एक मास्टरक्लास थी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम के कुछ समय बाद एक ट्वीट करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा स्व-प्रबंधन पर एक मास्टरक्लास थी, जो हमारे युवा दिमाग को और समृद्ध करेगा और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। शाह ने कहा कि समय और तनाव प्रबंधन के सरल समाधान और गैजेट पर निर्भरता कम करना दक्षता बढ़ाने के नए मंत्र हैं।

गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लाखों छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा की। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें छात्रों ने पीएम मोदी से सीधे कई सवाल किए।

एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय तीस्ता में मना गणतंत्र दिवस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । क्षेत्रीय कार्यालयतीस्ता ने 26 जनवरी 2023 को भारत का 74वां गणतंत्र दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ तीस्ता-V पावर स्टेशन के प्रशासनिक भवन परिसर में मनाया। समारोह की शुरुआत श्री एसपी मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय-तीस्ता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। तत्पश्चात आईआरबीएन की टुकड़ी द्वारा गार्डऑफ ऑनर और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में एसपी मुखर्जी ने पूरे तीस्ता परिवार को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान हैं, जो भारत की सामासिक संस्कृति तथा विविधता में एकता के भाव को संरक्षित करता हैं। हमारा संविधान हमारी प्राचीन संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम और सर्वधर्म समभाव की ही शिक्षा देता हैं जिसके सहारे हम प्रगति पथ पर अग्रसर हैं।

आगे उन्होंने इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम भागीदारी पर विशेष प्रकाश डाला और कहा कि हमें स्वयं ही आगे आ कर देश के विकास में प्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हो रहे विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया तथा देश की निरंतर प्रगति के लिए अपना योगदान देने हेतु आह्वान किया।

उन्होंने देश की प्रगति में जलविद्युत के साथ-साथ एनएचपीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एनएचपीसी द्वारा आस-पास के क्षेत्रों में सीएसआर के तहत किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया तथा इससे इन क्षेत्रों के निवासियों का जीवन-स्तर में हुए सुधार के बारे में भी उल्लेख किया। उन्होंने इस क्षेत्र में चल रही तीस्ता-VI परियोजना की प्रगति, साथ ही साथ इन परियोजनाओं के बनने से आसपास के क्षेत्रों के लोगों के समग्र विकास में हो रही प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय लोगों के सतत विकास के लिए परियोजनाओं, पावर स्टेशनों और क्षेत्रीय कार्यालय के आसपास में एनएचपीसी द्वारा की जा रही विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में श्री चित्त रंजन दास, पावर स्टेशन प्रमुख तीस्ता-तीस्ता-V व तीस्ता-तीस्ता-IV परियोजना एवं क्षेत्रीय कार्यालय-तीस्ता, तीस्ता-तीस्ता-V पावर स्टेशन और तीस्ता-तीस्ता-VI जलविद्युत परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी अपने परिवार के सदस्यों के साथ उपस्थित थे। अंत में मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सहकारिता विभाग की कमिश्नर कम सेक्रेटरी ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 जनवरी । आज गंगटोक स्थित राजभवन में सहकारिता विभाग की कमिश्नर कम सेक्रेटरी श्रीमती यशोदा भंडारी ने राज्यपाल गंगा प्रसाद से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने 'प्रधान मंत्री वन धन योजना' के तहत पेनलॉन्ग वन धन विकास केंद्र, गंगटोक जिला द्वारा निर्मित विभिन्न जैविक उत्पादों विशेषकर स्थानीय बाजरा (कोदो) को प्रयोग में लाते हुए जैविक उत्पादों का तोफहा प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष, 2023 को केंद्रित करते हुए प्रमुख रूप से इसमें बाजरे, मगवर्ट (लोकल नाम -तीतेपाती),संतरे आदि से बने साबुन और हर्बल चाय,आदि शामिल है।

'प्रधान मंत्री वन धन योजना' 14 अप्रैल, 2018 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य लघु वन उत्पाद के मूल्यवर्धन के माध्यम से जनजातीय आय को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री वन धन योजना, वन सम्पदा का उपयोग करके आदिवासियों के लिए आजीविका सृजन का लक्ष्य रखती है तथा आधुनिक तकनीक और आईटी के साथ मिलकर आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान और कौशल को और बढ़ावा देती है।

देश को 'हिन्दू राष्ट्र' में बदलना आरएसएस का एकमात्र लक्ष्य : सीएम पिनाराई विजयन

तिरुवनंतपुरम, 27 जनवरी (एजेन्सी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक बार फिर से आरएसएस पर बड़ा हमला बोला है। विजयन ने संघ परिवार को मुसलमानों और ईसाइयों का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया है। उन्होंने इस तरह के विभाजनकारी कार्यों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया है। विजयन के इस आरोप के बाद भाजपा ने इसकी तीखी आलोचना की है। विजयन ने कहा कि संविधान, जो जातिगत भेदभाव और धार्मिक घृणा के खिलाफ लड़ने का सबसे अच्छा हथियार था, वर्तमान में हमले का शिकार हो रहा है। केरल के सीएम ने यह भी आरोप लगाया कि संविधान पर हमलों के अलावा इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश भी की गई।

सीएम ने आरोप लगाया कि संघ परिवार और आरएसएस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका उद्देश्य भारत को 'हिन्दू राष्ट्र' में बदलना है। उन्होंने केंद्र में सत्ताधारी पार्टी पर एक ऐसे राजनीतिक समूह के अनुयायी होने का भी आरोप लगाया जिसने स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया। गुरुवार को यहां संविधान संरक्षण सम्मेलन और धर्मनिरपेक्ष सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे हमारे देश, उसके लोकतंत्र और संविधान की जड़ों पर हमला कर रहे हैं। अपने भाषण में, विजयन ने कहा कि अगर संविधान को नष्ट कर दिया गया, तो एक व्यक्ति की गरिमा से लेकर देश की संप्रभुता तक सब कुछ खो जाएगा।

केरल के सीएम ने कहा कि आरएसएस महात्मा गांधी की हत्या को 'मौत' के रूप में वर्णित करता है और कुछ हलकों से यह दावा कि बी आर अंबेडकर संविधान के मसौदाकारों में से नहीं थे। इसके अलावा, देश के कुछ हिस्सों में मुसलमानों को हिन्दू के विपरीत कहा जा रहा है। विजयन ने दावा किया कि न केवल धार्मिक अल्पसंख्यक, बल्कि दलित और आदिवासी भी खतरे में हैं और देश के विभिन्न हिस्सों में उन पर हमला किया जा रहा है और उनका शोषण किया जा रहा है।

वहीं केरल के मुख्यमंत्री विजयन के आरोप पर भाजपा ने भी पलटवार किया है। भाजपा ने कहा है कि मुख्यमंत्री को संविधान पर एक भी शब्द बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि विजयन संविधान को कोई महत्व नहीं देते हैं और चरमपंथी और आतंकवादी समूहों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर विधायक लेप्चा ने फहराया तिरंगा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 27 जनवरी । देशप्रेम के जज्बे एवं उल्लास के साथ आज राब्देंत्से जिला प्रशासनिक केंद्र में जिला स्तरीय 74वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गंगटोक के विधायक सह पर्यटन व नागरिक उड्डयन सलाहकार योंग छिरिंग लेप्चा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धन सिंह लिम्बू, जिला कलेक्टर यिशे डी. योंग्दा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त राजनीतिक सचिव मधुसूदन शर्मा, अध्यक्ष पीएचई हरिनारायण सुबेदी, गेजिंग डीआईजीपी हरि छेत्री, एडीसी खेमराज भट्टराई, एसडीएम (मुख्यालय) गोपाल छेत्री, एसडीएम गेजिंग संतोष आले भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और सिक्किम पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई, जिसके बाद गेजिंग डाइट के छात्रों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। वहीं गेजिंग डीसी एवं एडीसी ने क्रमश: सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के गणतंत्र दिवस संदेशों को पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लेप्चा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ डीएसी परिसर में नवनिर्मित ई-कचरा संग्रह केंद्र का उद्घाटन किया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक लेप्चा ने स्वतंत्रता सेनानियों के नि:स्वार्थ योगदान और बलिदान को याद किया और विभिन्न जन-समर्थक कार्यक्रमों के लिए राज्य सरकार की सराहना की और 'आम योजना' जैसी कुछ योजनाओं और अन्य पर भी प्रकाश डाला।

समारोह में प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इनमें विद्युत विभाग के एडी लेरब दोर्जी सांगदेर्पा, विशेष शाखा के एएसआई धन बहादुर गुरूंग एवं लांस नायक नीम तेन्जिंग शेरपा; शिक्षा विभाग के गेजिंग बीएसी के श्रीमती चंद्रमित लेप्चा; आरडीडी विभाग के पंचायत निरीक्षक विकास क्षेत्री; आरडीडी लेखाकार नयन सिंचुरी और आरडीडी के बीर बहादुर सुब्बा शामिल रहे। वहीं गेजिंग एनवाईके संगठन की ओर से युकसाम लुंगसुगांव के नवदीप क्लब को सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए 25000 रुपए की राशि प्रदान की।

आम लोगों के बेहतरी के लिए कार्य करें अधिकारी : मंत्री लेप्चा

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 27 जनवरी । 74वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आज मंगन जिला प्रशासनिक केंद्र में जन-भागीदारी थीम के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंगन-लाचेन विधायक एवं राज्य के सड़क व सेतु मंत्री साम्दुप लेप्चा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं गार्ड ऑफ ऑनर के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वहीं मंगन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय एकता नृत्य और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दूसरे चरण में डीएसी कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी हेम छेत्री और एडीएम श्रीमती छिरिंग यांग्देन शारत्सो ने क्रमश: राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संदेशों को पढ़ा।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मंत्री लेप्चा ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकार द्वारा प्राप्त विभिन्न विकासों और उपलब्धियों के बारे में बात की और उसमें अधिक बढ़ोतरी का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने जिले के अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनसे आमलोगों की बेहतरी हेतु आगे भी प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती चुंगकिपु लेप्चा, कल्याण अध्यक्ष, नीम छिरिंग लेप्चा, अध्यक्ष कादो लेप्चा, उपाध्याक्ष श्रीमती सोनम कीपा भूटिया, एडीसी विकास काशी राज लिम्बू, सीईओ शिक्षा श्रीमती राधा पौड्याल के साथ मंगन एसडीपीओ, एसडीएम, बीडीओ, पंचायत सदस्य और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सोरेंग डीएसी परिसर में मना गणतंत्र दिवस

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 27 जनवरी । जिला गठन के बाद सोरेंग डीएसी परिसर में आज पहली बार 74वें गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सोरेंग-चाकुंग विधायक आदित्य गोले द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और जिला पुलिस विभाग द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण के साथ इसकी शुरुआत हुई। समारोह में जिलाध्यक्ष श्रीमती टीला देवी गुरूंग, जिला उपाध्यक्ष चंद्रबीर कामी, डीसी भीम ठटाल, एसपी जे. जयपांडियन, सोरेंग एडीसी धीरज सुबेदी के अलावा सलाहकार, अध्यक्ष, पंचायत, एचओडी, जिला अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि विधायक आदित्य गोले ने जिले के गठन के बाद से गणतंत्र दिवस के पहले समारोह के आयोजन पर इस दिन को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि यह दिन सोरेंग जिले के सभी चार निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों के लिए नई आशाओं और आकांक्षाओं की शुरुआत का प्रतीक है। इसके अलावा, उन्होंने सोरेंग को एक आकांक्षी जिले के रूप में पहचान देने की दिशा में विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर प्रकाश डाला।

वहीं अपने सम्बोधन में सोरेंग को एक ई-डिस्ट्रिक्ट बनाने की पहल पर जोर देते हुए विधायक गोले ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने सिक्किम में जी20 शिखर सम्मेलन के कार्यक्रमों की मेजबानी करने का अवसर मिलने पर भी गर्व व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने सभी से जिले और पूरे राज्य की बेहतरी हेतु ऐसे अवसरों को लाभकारी कदम बनाने का आग्रह किया।

समारोह में सोरेंग एसपी जे जयपांडियन ने भी गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान को अपनाने, भारत को गणतंत्र घोषित करने आदि जैसी कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर जोर डाला। इससे पहले, डीसी और एडीसी ने क्रमश: राज्यपाल और मुख्यमंत्री के गणतंत्र दिवस संदेशों को पढ़ कर सुनाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नि:शुल्क कोचिंग प्रदान करने वाले कमल ज्योति संस्थान की ओर से विधायक आदित्य गोले को और संस्थान के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

आम लोगों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : लोकनाथ शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 27 जनवरी । 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य के अन्य हिस्सों के साथ आज पाकिम जिलान्तर्गत रंगली महकमा प्रशासनिक केंद्र द्वारा भी प्रशासनिक परिसर में पूरे उत्साह और देशभक्ति के समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में कृषि, बागवानी एवं पशुपालन मंत्री लोकनाथ शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं इस अवसर पर चूजाचेन क्षेत्रीय विधायक केबी राई भी यहां विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके अलावा समारोह में पंचायत सदस्यों, रेगु बीडीओ सावन ढकाल, रंगली महकमा के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भी शिरकत की।

सबसे पहले मंत्री शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस दल द्वारा पेश गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। अपने सम्बोधन में मंत्री शर्मा ने उन्होंने भारतीय सैनिकों की बहादुरी को याद करते हुए देश की सुरक्षा व अखंडता को बनाए रखने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही स्वतंत्र भारत के संविधान के सम्मान में इस दिन के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने सिक्किम के एक किसान तुलाराम उप्रेती द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने हेतु पूरे कृषक समुदाय को बधाई दी। ऐसे में उन्होंने राज्य के कृषि क्षेत्र में भी असीम सफलता की संभावना पर प्रकाश डाला।

अपने वक्तव्य में मंत्री शर्मा ने आमलोगों के कल्याण हेतु मुख्यमंत्री पीएस तमांग द्वारा परिकल्पित विभिन्न नई कार्यान्वित योजनाओं पर प्रकाश डाला और हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण आबादी मुख्य रूप से पशुपालन और संबद्ध क्षेत्रों के माध्यम से अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा पैदा कर रही है। यह मुख्यमंत्री पशुधन समृद्धि योजना जैसी शुरू की गई सरकारी योजनाओं के कारण ही संभव हुआ है। वहीं उन्होंने किसानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में भी

जानकारी दी।

इसके अलावा मंत्री ने राज्य में प्रजनन दर में कमी के प्रभाव पर एक जमायत को पुरस्कृत भी किया और प्रजनन दर में सुधार हेतु प्रोत्साहनों और उत्साहजनक घोषणाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने नाबार्ड के तहत केसीसी ऋण और बैंकिंग क्षेत्रों के प्रशंसनीय सहयोग को भी रेखांकित किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी हावड़ा निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

हावड़ा, पश्चिम बंगाल की श्रीमती राशि मुंदड़ा ने **01.12.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **63J 73668** है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने के बाद मैं काफी भाग्यशाली महसूस कर रही थी। मेरे परिवार के सभी सदस्य भी बेहद उत्साहित थे और सभी डियर लॉटरी में मेरी इस विशाल पुरस्कार राशि की जीत से खुश थे। मैं इस बड़ी रकम का उपयोग अपने परिवार की बेहतरी तथा भविष्य में कुछ बचत करने के लिए करूंगी।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com